mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-200 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
22 जुलाई 2025 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

देश से बढ़कर...
@ पेज 7

अमरनाथ यात्रा-16 दिन में 3 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

पहलगाम ,एजेंसी। अमरनाथ यात्रा के 16वें दिन 16,886 श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन किए। इन 16 दिनों 3 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। पवित्र अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई थी।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा- सालाना अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों की संख्या रविवार को तीन लाख के आंकड़े को पार कर गई। यह पवित्र यात्रा एक अत्यंत समृद्ध

अनुभव है। यात्रा के पहले दिन गुरुवार को 12,348 , शुक्रवार को 14,515, शनिवार को 21,109, रविवार को 21,512 तीर्थयात्री, सोमवार को 23,857 तीर्थयात्री दर्शन के लिए पहुंचे थे।

यात्रा पर आए श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 581 अलग-अलग सुरक्षा कंपनियों का चाक-चौबंद बंदोबस्त किया गया है।

राहुल गांधी पर वाराणसी कोर्ट में केस चलेगा

वाराणसी ,एजेंसी। वाराणसी में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ केस चलेगा। वाराणसी की एमपी-विधायक कोर्ट ने सोमवार को पूर्व प्रधान की ओर से दायर याचिका स्वीकार कर ली। राहुल गांधी पर अमेरिका में सिखों पर भड़काऊ भाषण देने का आरोप है। कोर्ट में यह याचिका तिलमापुर के पूर्व प्रधान नागेश्वर मिश्रा ने दायर की थी। वाराणसी के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट ने 28 नवंबर, 2024 को उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद उन्होंने एमपी-विधायक कोर्ट ने याचिका दाखिल की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। अब जज यजुवेंद्र विक्रम सिंह की कोर्ट में अगली तारीख पर सुनवाई शुरू होगी। सारनाथ थाना क्षेत्र के तिलमापुर में रहने वाले पूर्व ग्राम प्रधान नागेश्वर मिश्र ने एमपी-विधायक कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ याचिका दाखिल की। याचिका में नागेश्वर मिश्र ने बताया कि पिछले दिनों कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अमेरिका दौरे पर भड़काऊ बयान दिया था। इस बयान से सिख सम्प्रदाय के करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं।

हरियाणा के नए गवर्नर ने अंग्रेजी में शपथ ली

चंडीगढ ,एजेंसी। प्रो. अशीम घोष ने सोमवार को हरियाणा के 19वें राज्यपाल के तौर पर शपथ ली। चंडीगढ़ स्थित राजभवन में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू ने उन्हें शपथ दिलाई। घोष ने अपनी शपथ का भाषण अंग्रेजी में पढ़ा। शपथ ग्रहण समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी और पंजाब के गवर्नर व चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया भी मौजूद रहे। घोष को बंडारू दत्तात्रेय की जगह राज्यपाल बनाया गया है। 14 जुलाई 2025 को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने उनके नाम की घोषणा की थी। घोष पश्चिम बंगाल में भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं। यह मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मैं पूरी ईमानदारी और लगन से हरियाणा के लोगों की सेवा करूंगा। वाजपेयी के चहेते

थे अशीम घोष = अशीम ने पश्चिम बंगाल में संघ और बीजेपी की जड़ें जमाने में अहम भूमिका निभाई है। अभी पश्चिम बंगाल में पार्टी के मार्गदर्शक मंडल में रहकर घोष भाजपा की नीतियों को आगे बढ़ाने का काम कर रहे थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कैबिनेट में मंत्री रहे तपन सिकंदर अशीम को राजनीति में लाए थे।

संसद का मानसून सत्र, पीएम बोले- ऑपरेशन सिंदूर कामयाब रहा

नई दिल्ली,एजेंसी। मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने संसद परिसर में मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर कामयाब रहा। हमने 22 मिनट में ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों को जमींदोज किया, दुनिया ने भारत का सैन्य सामर्थ्य देखा।

पीएम ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत की सेना ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह 100 प्रतिशत अचीव किया। हमने सिद्ध करके दिखा दिया। इसमें मेड इन इंडिया सैन्यशक्ति का नया स्वरूप दिखा है। आतंकी ठिकाने 22 मिनट में जमींदोज- ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सेना ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह 100 प्रतिशत अचीव किया। आतंकी आकाओं के घर जाकर 22 मिनट में ऑपरेशन सिंदूर के तहत जमींदोज किया गया। हमने सिद्ध करके दिखा दिया। इसमें मेड इन इंडिया सैन्यशक्ति का नया स्वरूप दिखा है। विश्व के जिन-जिन लोगों से मिलना होता है, उनमें मेड इन इंडिया के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। संसद एक सुर में विजय के भाव से प्रकट करेगी तो देशवासियों को प्रेरणा मिलेगी। साथ ही जो रिसर्च, इनोवेशन हो रही है, जो डिफेंस इक्विपमेंट बन रहे हैं, उन्हें मजबूती मिलेगी।

नक्सलवाद-माओवाद-देश कई प्रकार की हिंसक वारदातों का शिकार रहा है। चाहे आतंकवाद हो, नक्सलवाद हो। कोई शुरुआत में हुआ, कोई बाद में, आज नक्सलवाद-माओवाद का दायरा तेजी से सिकुड़ रहा है। इसे जड़ से उखाड़ने के संकल्प के साथ एक नए आत्मविश्वास, तेज गति से सफलता की ओर कदम रख रहे हैं। मैं गर्व से कह सकता हूं, देश में सैकड़ों जिले आज मुक्ति की सांस ले रहे हैं। हमें गर्व है कि बम, बंदूक और पिस्तौल के सामने देश का संविधान विजयी हो रहा है। देश का उज्ज्वल भविष्य में दिख रहा है कि जो कल तक रेड कॉरिडोर थे, आज ग्रीन कॉरिडोर में बदल रहे हैं।

जस्टिस वर्मा को सरनेम से बुलाने पर वकील को फटकार

नई दिल्ली ,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा को उनके सरनेम से संबोधित करने पर एक वकील को फटकार लगाई। दरअसल, वकील मैथ्यूज नेदुम्परा जस्टिस वर्मा को सिर्फ वर्मा कहकर संबोधित कर रहे थे। इस पर चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा, क्या वे आपके दोस्त हैं? वे अब भी जस्टिस वर्मा हैं। आप उन्हें कैसे संबोधित करते हैं? थोड़ी मर्यादा रखिए। आप एक विद्वान जज की बात कर रहे हैं। वे अब भी कोर्ट के जज हैं। वकील ने जवाब दिया, मुझे नहीं लगता कि उन्हें इतनी इज्जत देनी चाहिए। इस पर सीजेआई ने कहा, प्लीज, कोर्ट को ऑर्डर मत दीजिए। कोर्ट ने कैश कांड मामले में वकील मैथ्यूज नेदुम्परा की उस याचिका को भी खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने जस्टिस वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी।

मुख्यमंत्री ने की नवीन विधायक विश्राम गृह के द्वितीय चरण के निर्माण की घोषणा

भोपाल ,एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में सिंहावलोकन की परंपरा रही है। पिछले अनुभवों की समीक्षा करते हुए भविष्य की कार्य योजना बनाना और उसका क्रियान्वयन सुखद और सफलता प्रदान करने वाला रहता है। समय की मांग के अनुरूप हो रहा विधायक विश्रामगृह का नवनिर्माण आधुनिक प्रक्रियाओं के साथ भविष्य की ओर अग्रसर होने के भाव को दर्शाता है। भवन निर्माण और वास्तुकला के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के उपयोग से बनने वाला यह भवन लोक कल्याण और जन सेवा के लिए विधायकों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराएगा। राज्य सरकार ने विधायकों के कार्यालयों के आधुनिकीकरण के लिए बजट में 5-5 लाख रुपए के आवंटन का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवीन विधायक विश्रामगृह के द्वितीय चरण के निर्माण को भी स्वीकृति प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नवीन विधायक विश्रामगृह के निर्माण कार्य के भूमि पूजन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य और विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर की अध्यक्षता में विधायक विश्राम गृह परिसर में नवीन विधायक विश्रामगृह के निर्माण कार्य का भूमि पूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, लोक

निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह भी उपस्थित थे।

नवीन विधायक विश्रामगृह लगभग 160 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा, इसमें सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ 102 फ्लैट्स का निर्माण प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भूमिपूजन के बाद शिलालेख अनावरण किया तथा भगवान श्रीराम और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन और वंदे मातरम गान के साथ हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि अगले स्वच्छता सर्वेक्षण में भोपाल को शीर्ष स्तर पर लाने का लक्ष्य रखा है।

अगर कुछ कमियां हैं तो उन्हें दूर करेंगे। प्रदेश को नई-नई सौगातें मिल रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने 11 साल में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं, जिससे दुनिया चकित है। स्पेन सहित यूरोप में भारतीय संस्कृति, खानपान और पहनावे को वहां के लोग आदर के साथ आत्मसात कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की ईडी को फटकार

नई दिल्ली ,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय को फटकार लगाते हुए कहा कि राजनीतिक लड़ाइयां चुनाव में लड़ी जानी चाहिए, जांच एजेंसियों के जरिए नहीं। ईडी का इस तरह इस्तेमाल क्यों हो रहा है? ये टिप्पणी सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस के.विनोद चंद्रन की बेंच ने सोमवार को मैसूर अर्बन डेवलपमेंट बोर्ड केस में ईडी की अपील की सुनवाई के दौरान की। सीजेआई ने कहा कि हमारा मुंह मत खुलवाइए। नहीं तो हम ईडी के बारे में कठोर टिप्पणियां करने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

2006 मुंबई ट्रेन सीरियल ब्लास्ट केस- सभी 12 आरोपी बरी

मुंबई ,एजेंसी। मुंबई में 2006 के सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में हाईकोर्ट ने सोमवार को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि प्रॉसीक्यूशन यानी सरकारी वकील आरोपियों के खिलाफ केस साबित करने में नाकाम रहे हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मानना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है, इसलिए उन्हें बरी किया जाता है। अगर वे किसी दूसरे मामले में वांटेड नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत जेल से रिहा किया जाए। 11 जुलाई 2006 को मुंबई के वेस्टर्न सब अर्बन ट्रेनों के सात कोचों में सिलसिलेवार धमाके हुए थे। इसमें 189 पैसेंजर की मौत हो गई थी और 824 लोग घायल हो गए थे। सभी धमाके फर्स्ट क्लास कोचों में हुए थे। घटना के 19 साल बाद यह फैसला आया है। मुंबई में 11 जुलाई 2006 को शाम 6 बजकर 24 मिनट से लेकर 6 बजकर 35 मिनट के बीच एक के बाद एक सात ब्लास्ट हुए थे। ये सभी ब्लास्ट मुंबई के पश्चिम रेलवे पर लोकल ट्रेनों के फर्स्ट क्लास कम्पार्टमेंट में करवाए गए थे।खार, बांद्रा, जोगेश्वरी, माहिम, बोरीवली, माटुंगा और मीरा-भायंदर रेलवे स्टेशनों के पास ये ब्लास्ट हुए थे। ट्रेनों में लगाए गए बम आरडीएक्स, अमोनियम नाइट्रेट, फ्यूल ऑयल और कीलों से बनाए गए थे, जिसे सात प्रेशर कुकर में रखकर टाइमर के जरिए उड़ाया गया था।

संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए सरकार तैयार

नई दिल्ली ,एजेंसी। संसद के मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए सरकार तैयार हो गई है। अगले हफ्ते इस मुद्दे पर लोकसभा में 16 और राज्यसभा में 9 घंटे बहस होगी। हालांकि विपक्ष का कहना है कि चर्चा सत्र के शुरुआत में होनी चाहिए और पीएम मोदी जवाब दें।

इधर, सत्र के पहले दिन राज्यसभा-लोकसभा में पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर हंगामा हुआ। विपक्ष ने इन मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर नारेबाजी की। दिनभर में लोकसभा 4 बार स्थगित हुई, जिसके बाद शाम 4 बजे सदन को मंगलवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। लोकसभा 4 बार स्थगित- विपक्ष ने लोकसभा में पहलगाम-ऑपरेशन सिंदूर पर हंगामा किया। विपक्षी दलों की मांग थी कि सरकार का प्रमुख होने के नाते प्रधानमंत्री इन मुद्दों पर जवाब दें। इसके चलते लोकसभा 4 बार स्थगित हुई।

स्पीकर को जस्टिस वर्मा को हटाने ज्ञापन सौंपा- जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने के संबंध में स्पीकर ओम बिरला को ज्ञापन सौंपा गया। लोकसभा में 145 और राज्यसभा में 63 सांसदों ने वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए।

सावन का दूसरा सोमवार,एक लाख श्रद्धालुओं ने महाकाल के दर्शन किए

उज्जैन ,एजेंसी। आज सावन का दूसरा सोमवार है। शिव मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारे हैं। मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के पट रात 2.30 बजे खोले गए। सुबह भस्म आरती की गई। उज्जैन में रात 2-30 बजे से लेकर दोपहर 12-00 बजे तक एक लाख श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन कर चुके हैं। यूपी के काशी में विश्वनाथ धाम के कपाट भी रात 3 बजे खुले। सुबह 4 बजे बाबा की मंगला आरती हुई, जिसमें उन्हें स्वर्ण मुकुट पहनाया गया। राम नाम माला भी पहनाई गई। काशी विश्वनाथ मंदिर के बाहर भक्तों की 5 किमी लंबी कतारें लगी हैं। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं पर फूल बरसाए। वहीं उत्तराखंड के हरिद्वार से गंगाजल लाने वाले कांवड़ियों की संख्या 3 करोड़ पार हो गई है। यहां हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश समेत दूसरे राज्यों से कांवड़िए आ रहे हैं।

युवक के मर्डर के विरोध में जयपुर-आगरा हाईवे जाम, पथराव

जयपुर ,एजेंसी। जयपुर के जामडोली में विपिन नायक उर्फ विक्की (22) की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। आरोपी हिस्ट्रीशीटर अनस खान उर्फ शूटर ने अपने साथियों के साथ मिलकर विपिन की छाती में ताबड़तोड़ चाकू घोंप दिया। विपिन के चिल्लाने पर आसपास के लोग दौड़कर आए। अनस ने चाकू लहराकर लोगों को धमकाया और साथियों के साथ बाइक

पर बैठकर भाग गया। हत्यारा इतना बेखौफ था कि वारदात के बाद सोशल मीडिया पर अपना वीडियो डाला और लिखा- आज बदला पूरा हुआ। हत्या की घटना से गुस्साई भीड़ ने सुबह करीब 9 बजे जयपुर-आगरा हाईवे (जामडोली) जाम कर दिया। हालात को देखते हुए मौके पर पुलिस फोर्स तैनात की गई। पुलिस ने लोगों को समझाने की कोशिश की तो जमकर धक्का-मुक्की हुई।

कांग्रेस नेता मुरलीधरन बोले- थरूर अब हमारे साथ नहीं

तिरुवनंतपुरम ,एजेंसी। केरल कांग्रेस के सीनियर नेता के. मुरलीधरन ने कहा कि शशि थरूर को तिरूवनंतपुरम में तब तक किसी भी पार्टी कार्यक्रम में नहीं बुलाया जाएगा, जब तक वह राष्ट्रीय सुरक्षा पर अपना रुख नहीं बदलते। मुरलीधरन ने रविवार को मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि थरूर अब हमारे साथ नहीं हैं। इसलिए उनके द्वारा किसी कार्यक्रम का बहिष्कार करने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा, कांग्रेस वर्किंग कमेटी के मेंबर थरूर को अब हम में से एक नहीं माना जाता। पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व तय करेगा कि कांग्रेस सांसद के खिलाफ क्या कार्रवाई होनी चाहिए। थरूर ने रविवार यानी 19 जुलाई को कहा था कि किसी भी नेता की पहली वफादारी देश के प्रति होनी चाहिए, पार्टी के प्रति नहीं। पार्टियां सिर्फ देश को बेहतर बनाने का जरिया हैं।

जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने के लिए मिला नोटिस, जगदीप धनखड़ ने बताया अब क्या होगा

नई दिल्ली ,एजेंसी। राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि उन्हें उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने का नोटिस मिला है और उन्होंने महासचिव को इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है। यह घटना मार्च में न्यायमूर्ति वर्मा के राष्ट्रीय राजधानी स्थित सरकारी आवास से बड़ी संख्या में करेंसी नोट बरामद होने के कुछ महीनों बाद हुई है। बाद में उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय स्थानांतरित कर दिया गया था। जब कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने राज्यसभा में घोषणा की कि 152 लोकसभा सांसदों ने अध्यक्ष को इसी तरह का प्रस्ताव सौंपा है, तो राज्यसभा के सभापति ने बताया कि उन्हें न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का नोटिस मिला है, जिस पर 50 से ज़्यादा सांसदों के हस्ताक्षर हैं। धनखड़ ने कहा कि मुझे आपको सूचित करना है कि मुझे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने हेतु एक वैधानिक समिति गठित करने हेतु प्रस्ताव का नोटिस प्राप्त हुआ है... यह (नोटिस) मुझे आज प्राप्त हुआ है। इस पर राज्य सभा के 50 से अधिक सदस्यों ने हस्ताक्षर किए हैं।

मुंबई में एअर इंडिया का विमान रनवे से फिसला

मुंबई ,एजेंसी। मुंबई एयरपोर्ट पर सोमवार सुबह एअर इंडिया का एआई2744 प्लेन लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसल गया। ये विमान कोच्चि से मुंबई आया था। मुंबई में भारी बारिश के कारण रनवे पर फिसलन थी, जिससे विमान रनवे से 16 से 17 मीटर दूर घास पर चला गया। ये हादसा सुबह 9-27 बजे हुआ।

तस्वीरों में दिखा कि विमान के दाहिने इंजन के नैसेल (ढक्कन) को नुकसान पहुंचा है। इस घटना के बाद विमान को पार्किंग तक लाया गया,

जहां सभी यात्री और क्रू मेंबर्स को उतारा गया। इस दौरान विमान के तीन टायर फट गए। एअर इंडिया ने बताया कि हादसे में किसी पैसेंजर्स या क्रू मेंबर्स को नुकसान नहीं पहुंचा है। हालांकि मुंबई एयरपोर्ट का मेन रनवे, 09/27 क्षतिग्रस्त हुआ है। रनवे पर फ्लाइट्स की आवाजाही बंद कर दी गई है। रनवे किनारे तीन साइनेज बोर्ड और चार लाइटें भी टूट गईं।

डीजीसीए की टीम जांच के लिए मुंबई एयरपोर्ट पहुंची नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की एक टीम मामले की जांच के लिए एयरपोर्ट पहुंची है।

भाजपा के प्रत्येक मोर्चा-प्रकोष्ठ की अब समीक्षा होगी, बदलाव की भी तैयारी

भोपाल ,एजेंसी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल अब पार्टी के प्रत्येक मोर्चा-प्रकोष्ठ की समीक्षा करेंगे। सोमवार को युवा मोर्चा की समीक्षा के साथ इसकी शुरुआत की जाएगी। मंगलवार को अनुसूचित जाति मोर्चा की समीक्षा बैठक की जाएगी। दरअसल, भाजपा की नई प्रदेश कार्यकारिणी और मोर्चा, प्रकोष्ठों का गठन किया जाना है। इससे पहले प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल मोर्चों-प्रकोष्ठ की टोह लेंगे। इस दौरान मोर्चा पदाधिकारियों के अभी तक किए गए कामकाज का मूल्यांकन भी होगा। आगे के टास्क को लेकर चर्चा होगी। इसके अलावा प्रदेश कार्यकारिणी का गठन करने से पहले खंडेलवाल संभागवार समीक्षा भी कर रहे हैं। भाजपा के सात मोर्चा और 17 प्रकोष्ठ है। इनमें वर्ष 2021 में नियुक्तियां की गई थी।

नए प्रदेश अध्यक्ष अब नए सिरे से मोर्चा- प्रकोष्ठों में नियुक्तियां करेंगे। इसके पहले वह इस कार्य के लिए योग्य चेहरा तलाश रहे हैं। संभागवार बैठकों के पीछे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल का यही उद्देश्य है। उन्होंने 17 जुलाई को ग्वालियर संभाग की समीक्षा की थी और 19 जुलाई को जबलपुर की समीक्षा की। उनका अगला दौरा रीवा है। प्रदेश के सभी संभागों को नापने के बाद कार्यकारिणी के गठन का निर्णय लेंगे। इधर, किसान मोर्चा के अध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी, महिला मोर्चा की अध्यक्ष माया नरोलिया सांसद है। वहीं ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष नारायण सिंह कुशवाह है। ऐसे में दोहरी जिम्मेदारी निभा रहे इन पदाधिकारियों को पार्टी की जिम्मेदारी से मुक्त किया जा सकता है। पार्टी का कामकाज केवल ऐसे नेताओं को दिया जाएगा, जो पूर्णकालिक रूप से कार्य संभाल सके। प्रकोष्ठ - विधि, बुद्धिजीवी, व्यवसायिक, चिकित्सा, आर्थिक, सहकारिता, पूर्व सैनिक, सांस्कृतिक, बुनकर (ग्रामीण विकास), शिक्षक, मछुआरा, व्यापारी, अंत्योदय, झुग्गी झोपड़ी, खेल, स्थानीय निकाय, स्वयं सेवी संस्थाएं प्रकोष्ठ है। इसके अलावा आईटी और सोशल मीडिया विभाग भी कार्यरत है।

मध्य प्रदेश के 250 निजी स्कूलों की मान्यता रद्द, भूमि दस्तावेज नहीं पाए गए

भोपाल ,एजेंसी। प्रदेश के 250 निजी स्कूलों की मान्यता समाप्त कर दी गई है। इन स्कूलों द्वारा जमीन संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके थे। कुछ के पास पर्याप्त भूमि नहीं थी तो कुछ के पास रजिस्ट्री के कागजों की कमी पाई गई। वहीं, कुछ स्कूल केवल कागजों पर ही संचालित हो रहे थे। इन स्कूलों की अपीलों को प्रदेश स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने खारिज कर दिया। इसके बाद लोक शिक्षण संचालनालय की आयुक्त शिल्पा गुप्ता ने मान्यता समाप्ति के आदेश जारी किए। प्रदेश में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के स्कूलों की मान्यता प्रक्रिया में पहले आवेदन संभागीय संयुक्त संचालकों के पास जाते हैं, यदि वहां से नामंजूर होते हैं तो दूसरी अपील विभागीय मंत्री के पास जाती है। इसी प्रक्रिया के तहत 350 स्कूलों के प्रकरण मंत्री के

पास पहुंचे थे, जिनमें से सिर्फ 50 स्कूलों को मान्यता मिली, जबकि 50 को होल्ड पर रखा गया। भोपाल के 12 स्कूलों, जिनमें अंकुर हायर सेकेंडरी, सेवन हिल्स, प्रीति हायर सेकेंडरी, राजपुष्पा, पार्थ और ज्ञान कृष्णा जैसे नाम शामिल हैं, की मान्यता भूमि संबंधित नियमों को पूरा न करने के कारण समाप्त कर दी गई ।मान्यता के लिए हाईस्कूल के लिए कम से कम 4000 वर्गफीट और हायर सेकेंडरी के लिए 5600 वर्गफीट भूमि (निर्मित व खुली) जरूरी है। इसके साथ ही मूलभूत सुविधाएं जैसे शौचालय और प्रयोगशाला भी अनिवार्य हैं। इन मापदंडों को पूरा न करने वाले स्कूलों पर कार्रवाई की गई है।

भोपाल में समाजवादी पार्टी ने लगाई सांकेतिक विधानसभा

भोपाल ,एजेंसी।। मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग का आरक्षण 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किए जाने का मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। इस मामले को लेकर कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दल सरकार की मंशा पर सवाल उठाते रहे हैं। रविवार को भोपाल में समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में सपा पदाधिकारियों ने सांकेतिक विधानसभा लगाकर मप्र सरकार पर निशाना साधा। सपा प्रदेश अध्यक्ष ने मप्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ और मप्र में ओबीसी वर्ग को 52 प्रतिशत आरक्षण दिलाने की मांग को लेकर एक अगस्त को भोपाल में विधानसभा घेराव करने की बात कही। सांकेतिक विधानसभा के दौरान समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में थे। उन्होंने सांकेतिक सदन में ये मुद्दा उठाया। मनोज यादव ने कहा कि कई राज्यों में ओबीसी वर्ग को 42

प्रतिशत तक आरक्षण है। लेकिन, मप्र की भाजपा सरकार 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण को लागू नहीं कर रही है। मप्र में ओबीसी वर्ग की आबादी 52 प्रतिशत है, इसलिए मप्र में अन्य पिछड़े वर्गों को 52 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए।

सपा कार्यालय में लगाई गई सांकेतिक विधानसभा के सभापति की भूमिका में उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व श्रम मंत्री कुंवर बादशाह सिंह थे। बादशाह सिंह मायावती सरकार में मंत्री रह चुके हैं। नेता सदन की भूमिका सपा के राष्ट्रीय सचिव सतेन्द्र यादव ने निभाई।

सांकेतिक विधानसभा में विपक्षी सदस्यों ने सरकार पर वादाखिलाफी और जनविरोधी नीतियां लागू करने के आरोप लगाए तो सत्ता पक्ष ने इसका जवाब दिया। पक्ष-विपक्ष के बीच सदन में नारेबाजी हुई और विपक्षी सदस्यों ने सदन से वॉकआउट कर दिया। इसके बाद सभापति ने बिल पारित कराकर सदन को स्थगित कर दिया। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने कहा- मप्र में महिलाओं के साथ रेप की घटनाएं हो रहीं हैं। दलित, आदिवासियों, पिछड़ों पर अत्याचार हो रहा है। जब 1931 में जनगणना हुई थी, उस समय पिछड़े वर्ग की जनसंख्या 52त्न थी। हमारी मांग है कि 52 प्रतिशत आरक्षण मिलना ही चाहिए।

उस समय से अब तक जनसंख्या बहुत बढ़ चुकी है। जातिगत जनसंख्या के आधार पर आरक्षण मिलना चाहिए।

भोपाल के करिश्मा पार्क में निगम की बड़ी कार्रवाई

भोपाल ,एजेंसी।। भोपाल के छोटा तालाब स्थित करिश्मा पार्क में रविवार को नगर निगम के अमले ने बड़ी कार्रवाई की। यहां अवैध रूप से संचालित रेस्टोरेंट और कैफे को सख्ती से हटा दिया। वहीं, कुछ बोट भी जब्त की। यहां पर निगम ने पैडल और चप्पू बोट चलाने की परमिशन दी थी, लेकिन मोटर बोट चलाई जा रही थी, जो कि प्रतिबंधित है। करिश्मा पार्क एवं छोटे तालाब किनारे रामसर साइट पर अवैध रूप से संचालित रेस्टोरेंट एवं कैफे के अतिक्रमण को पूरी तरह से हटाने की कार्रवाई की गई। यहां से मोटर बोट, टेबल, बेंच, गुमटी और अन्य सामग्री जब्त की गई। निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण के निर्देश के बाद झील संरक्षण प्रकोष्ठ की टीम ने छोटे तालाब और करिश्मा पार्क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया कि छोटे तालाब में करिश्मा पार्क से पैडल बोट एवं चप्पू बोट संचालन की अनुमति जहांगीराबाद निवासी

मोहम्मद बिलाल एवं करण यादव को दी गई थी, लेकिन बोट संचालकों द्वारा अनुमति के विपरीत प्रतिबंधित मोटर बोट का संचालन भी किया जा रहा था।

करिश्मा पार्क में अतिक्रमण कर रेस्टोरेंट व रामसर साइट पर लगी टेबल, बेंच पर कैफे का संचालन भी बिना अनुमति के पाया गया। निगम के दल को यह भी जानकारी मिली कि रेस्टोरेंट एवं कैफे का संचालन देर रात तक किया जा रहा है। जिस पर कार्रवाई करते हुए निगम प्रशासन ने मोहम्मद बिलाल एवं करण यादव निवासी जहांगीराबाद को दी गई बोट संचालन की अनुमति शनिवार, 19 जुलाई को निरस्त कर दी।

वहीं, रविवार को कार्रवाई करते हुए करिश्मा पार्क में अवैध रूप से संचालित रेस्टोरेंट का अतिक्रमण भी पूरी तरह से हटा दिया।

भोपाल में यूबीई स्पाइन सर्जरी पर दो दिवसीय कार्यशाला

भोपाल ,एजेंसी।। गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल के ऑर्थोपेडिक्स विभाग में यूनिलेटरल बाइपोर्टल एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी पर दो दिवसीय सीएमई एवं हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह प्रदेश में इस तकनीक पर आयोजित होने वाली पहली कार्यशाला रही। जिसमें मध्यप्रदेश सहित देशभर से 100 से अधिक युवा और अनुभवी सर्जनों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में सर्जनों को यूबीई तकनीक के माध्यम से कम से कम चीरा लगाकर रीढ़ की सर्जरी करने का प्रशिक्षण दिया गया। इस तकनीक की विशेषता है कम रक्तस्राव, कम जटिलताएं, रोगी का जल्दी स्वस्थ होना और शीघ्र अस्पताल से छुट्टी मिलना। कार्यशाला में प्रशिक्षण देने के लिए देश के प्रसिद्ध स्पाइन सर्जन भोपाल पहुंचे। इनमें डॉ. मैल्कम पेस्टोंजी (मुंबई), डॉ. अश्विन कुमार खंडगे (पुणे), डॉ. अंकुर गुप्ता (जयपुर), डॉ. स्वप्निल हजारे (नागपुर), डॉ. वी. सेल्विन प्रभाकर (चेन्नई) और डॉ. एडम तेजा (जबलपुर) शामिल रहे। इन विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को एंडोस्कोपिक सर्जरी की बारीकियों और तकनीकी पहलुओं की लाइव डेमो व थ्योरी से जानकारी दी। गांधी मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. कविता एन. सिंह ने बताया कि जीएमसी भोपाल प्रदेश का पहला सरकारी संस्थान है। जहां पर यह आधुनिक तकनीक अपनाई गई है। इससे प्रदेश के मरीजों को अब अत्याधुनिक रीढ़ की हड्डी के उपचार की सुविधा सुलभ होगी।

चलती ट्रेन में कोच के नीचे से उठा धुआं

भोपाल,एजेंसी। । भोपाल से बिलासपुर जा रही ट्रेन संख्या 18235 (भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस) में शनिवार दोपहर बड़ा हादसा टल गया। जैसे ही ट्रेन दोपहर करीब 12=15 बजे गंजबासौदा स्टेशन से रवाना हुई, ट्रेन मैनेजर अभिषेक परसाई को एक कोच से धुआं और जलने की गंध महसूस हुई। मैनेजर ने तुरंत ट्रेन को गंजबासौदा और बरेठ स्टेशन के बीच रुकवाया और जांच करवाई। जांच में पता चला कि कोच नंबर-14497 में लगे वी-बेल्ट से धुआं निकल रहा था। उन्होंने लोको पायलट, इलेक्ट्रिकल कंट्रोल और कैरिज एंड वैगन विभाग को तुरंत सूचना दी। इलेक्ट्रिकल कंट्रोल के निर्देश पर वी-बेल्ट को काटकर अलग किया गया और कोच को आइसोलेट कर दिया गया। इसके बाद ट्रेन को सुरक्षित तरीके से बीना स्टेशन तक पहुंचाया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि समय पर की गई इस कार्रवाई की वजह से न केवल यात्रियों की जान बची, बल्कि गाड़ी को बिना ज्यादा विलंब के बीना से पुन: निर्धारित समयानुसार रवाना किया गया। रेलवे अधिकारियों ने ट्रेन मैनेजर की सतर्कता, तकनीकी टीम की तत्परता और समन्वय को सराहा है।

वी-बेल्ट ट्रेन या रेलवे के इंजनों में उपयोग होने वाला एक मैकेनिकल ट्रांसमिशन डिवाइस है, जो मुख्य रूप से पावर ट्रांसफर के लिए प्रयोग किया जाता है। इसका उपयोग इंजन के विभिन्न सहायक उपकरणों को चलाने के लिए किया जाता है, जनरेटर चलाना, कूलिंग फैन और कंप्रेसर आदि के लिए इस्तेमाल होता है। रानी कमलापति से निजामुद्दीन जा रही वंदे भारत ट्रेन के ष्ट-14 कोच में सोमवार सुबह आग लग गई। आग कोच के नीचे लगे बैटरी बॉक्स में लगी थी। बीना रेलवे स्टेशन से पहले ट्रेन को रोका गया। सभी पैसेंजर्स को सुरक्षित निकाला गया। फायर ब्रिगेड और रेलवे की टीम 58 मिनट में आग पर काबू पा सकी। इस कारण सवा तीन घंटे की देरी से ट्रेन रवाना हुई।

उठा शराबबंदी और महिला सुरक्षा का मुद्दा

भोपाल,एजेंसी।। प्रदेश में शराबबंदी, महिला सुरक्षा, शिक्षा, महंगाई और स्मार्ट मीटर जैसे जनसरोकार के मुद्दों को लेकर ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन की भोपाल जिला समिति द्वारा 20 जुलाई को डॉ. अंबेडकर सामुदायिक भवन में आयोजित द्वितीय महिला सम्मेलन में सैकड़ों महिलाओं ने भाग लेकर सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आक्रोश जताया। सम्मेलन का उद्घाटन ट्रेड यूनियन नेता श्री गोकुल राय ने महान व्यक्तियों के उद्धरण प्रदर्शनी के साथ किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद हुए खुले अधिवेशन में मुख्य वक्ता ्ढ्रस्स् की राज्य सचिव श्रीमती रचना अग्रवाल ने कहा कि महिलाओं और बच्चियों पर बढ़ते अपराधों के पीछे शराब, नशा, ड्रग्स, पोर्न वेबसाइट्स और अश्लील वीडियो का गहरा प्रभाव है। उन्होंने बताया कि नाबालिगों पर दुष्कर्म के 80 प्रतिशत मामलों में अपराधी सबूतों के अभाव में बरी हो जाते हैं। हजारों केस ऐसे हैं जिनकी जांच वर्षों से लैबों में लंबित है। दुष्कर्मी नेताओं और प्रभावशाली समर्थकों को बचाया जाता है, इसलिए लोकतांत्रिक मूल्यों से लैस महिलाओं, छात्रों, नौजवानों और बुद्धिजीवियों को मिलकर देशव्यापी दीर्घकालीन आंदोलन खड़ा करना होगा। मप्र सचिव मंडल सदस्य अर्शी खान ने सरकारी स्कूलों को बंद करने की नीति का विरोध करते हुए कहा कि शिक्षा को निशुल्क, सर्वसुलभ और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से युक्त बनाना समय की आवश्यकता है।

जिला सचिव कॉमरेड मुदित भटनागर ने कहा कि पूंजीपरस्त सरकारें जन आंदोलनों को कुचलने के लिए शराब और अश्लीलता को बढ़ावा दे रही हैं। इससे नौजवानों की नैतिक रीढ़ कमजोर की जा रही है। आर्थिक नीतियों ने बेरोजगारी और महंगाई को चरम पर पहुँचा दिया है। प्रतिनिधि अधिवेशन में प्रदेश अध्यक्षा जोली सरकार ने कहा कि भोपाल सहित पूरे प्रदेश में स्मार्ट मीटर जबरन लगाए जा रहे हैं। बस्तियों को अवैध बताकर उजाड़ा जा रहा है। लोग बेघर होकर सड़कों पर आ गए हैं, पर महिला सुरक्षा पर किसी का ध्यान नहीं है।

भोपाल के सरस्वती नगर री-डेवलपमेंट प्रोजेक्ट को लेकर कैंप

भोपाल ,एजेंसी।। भोपाल के जवाहर चौक स्थित हाउसिंग बोर्ड की 50 साल पुरानी कॉलोनी सरस्वती नगर का री-डेवलपमेंट प्रस्तावित है। बोर्ड ने कॉलोनी में 5 दिन का कैंप लगाकर रहवासियों की शंका का समाधान किया और उनके सवालों का जवाब दिया। साथ ही कॉलोनी के लोगों के सुझाव को मंडल के शीर्ष अधिकारियों के पास भेजा गया।

भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने हाउसिंग बोर्ड को निर्देश दिए थे कि कैंप लगाकर रहवासियों की समस्या का समाधान किया जाए। कैंप में रहवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बता दें कि सरस्वती नगर का लगभग 800 करोड़ रुपए की लागत से हाउसिंग बोर्ड री-डेवलप कर रहा है। नए प्रोजेक्ट में रहवासियों को वर्तमान घर से 20 फीसदी बढ़ा घर फ्री में मिलेगा। साथ ही जब तक प्रोजेक्ट का काम चलेगा, तब तक बोर्ड कलेक्टर गाइड लाइन के अनुसार किराया भी देगा।

इस प्रोजेक्ट में पहले ही 52 फीसदी से ज्यादा लोगों ने अपनी सहमति दे रखी है। इस प्रोजेक्ट को 23 अप्रैल-25 को साधिकार समिति से भी सहमति मिल चुकी है।

प्रोजेक्ट के लिए आर्किटेक्ट और कंसलटेंट की नियुक्ति के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है। बोर्ड अधिकारियों ने बताया कि प्रोजेक्ट के डीपीआर और प्लानिंग पर काम शुरू कर दिया गया है।

दस्तक अभियान - 22 जुलाई से 16 सितम्बर तक

भोपाल ,एजेंसी।। दस्तक अभियान के प्रथम चरण का आयोजन 22 जुलाई से किया जा रहा है। 16 सितंबर तक संचालित इस अभियान में बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न सेवाएं प्रदान की जाएगी। जिनमें निमोनिया व गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान व रेफरल एवं प्रबंधन, डिजिटल हिमोग्लोबीनोमीटर द्वारा एनीमिया की स्क्रीनिंग एवं प्रबंधन, दस्त रोग की पहचान एवं ओआरएस एवं जिंक के उपयोग के संबंध में जागरूकता, विटामिन ए की खुराक का सेवन जैसी सेवाएं प्रमुख हैं। अभियान के संबंध में जिला टास्क फोर्स बैठक आयोजित की जा चुकी है। इसी प्रकार समस्त विकासखंड स्तर पर ब्लॉक टास्क फोर्स बैठकों का आयोजन भी किया जा चुका है। दस्तक अभियान के लिए आवश्यक दवाइयां, जांच

उपकरणों, रिपोर्टिंग प्रपत्रों, प्रचार सामग्री उपलब्ध कराई जा चुकी है एवं मैदानी कार्यकर्ताओं को भी प्रशिक्षण दिया जा चुका है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि अभियान के दौरान एएनएम, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा 5 साल तक के बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की जाएगी। दस्तक अभियान में सघन दस्त नियंत्रण कार्यक्रम भी संचालित होगा। जिसमें स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा जिंक एवं ओआरएस उपलब्ध कराया जाएगा।

मध्य प्रदेश के 6 शहरों की सड़कों पर इस साल दिसंबर तक दौड़ने लगेंगी 472 ई-बसें

भोपाल ,एजेंसी।। प्रदेश की सड़कों पर इस साल दिसंबर तक 472 ई-बसें दौड़ने लगेंगी। इसको लेकर नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। भारत सरकार की ओर से मध्य प्रदेश को मिलने वाली 582 बसों में से 472 की का टेंडर किया गया था। यह ग्रीन सेल कंपनी को मिला है। कंपनी मप्र में 10 डिपो बनाएगी। साथ ही छह शहरों को ई-बसें भी उपलब्ध कराएगी। कंपनी को भारत सरकार 12 साल के लिए आपरेशनल एंड मेंटेनेंस कास्ट भी देगी। इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन और सागर के लिए आवंटित की गई बसों में से 472 बसें मिडी ई-बस (26 सीटर) और 110 मिनी ई-बस (21 सीटर) रहेंगी। ई-बसों का किराया नगर निगम द्वारा तय किया जाएगा। ई- बसों का संचालन जीसीसी (ग्लोबल

कैपेबिलिटी सेंटर) मॉडल पर होगा।

इसमें संबंधित फर्म बस खरीदेगी और उसके ड्राइवर, कंडक्टर, मेंटेनेंस की व्यवस्था भी खुद करेगी। ट्रैफिक के हिसाब से ई-बसों का रूट और टाइम तय किया जाएगा। बसों में टिकटिंग के लिए नगर निगम अलग से एक एजेंसी तय करेगा। बस का किराया जिले की एसपीवी (स्पेशल पर्पज व्हीकल कमेटी) तय करेगी। इसके लिए आरटीओ से सलाह ली जाएगी।

ई-बसों के संचालन के लिए भारत सरकार की तरफ से प्रति बस संचालन के लिए प्रति किमी 22 रुपये का भुगतान किया जाएगा, जबकि बाकी का भुगतान राज्य सरकार करेगी। आपरेटर कंपनी को प्रत्येक बस 58.14 रुपये प्रति किमी की दर से भुगतान किया जाएगा। प्रत्येक बस प्रति दिन न्यूनतम 180 किमी चलेगी।

नई ई-बसों के लिए इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर में दो- दो बस डिपो बनाए जाएंगे। भोपाल में बैरागढ़ और कस्तूरबा नगर, इंदौर के नायता मुंडला और चंदन नगर बनाए जाएंगे। उज्जैन और सागर में एक-एक स्थान पर डिपो का निर्माण कराया जाएगा। इस पर 58 करोड़ रुपये व्यय होगा। 60 प्रतिशत केंद्र सरकार एवं 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार वहन करेगी।

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

उपखण्ड स्तर पर सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि समस्त उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) उपखण्ड स्तर पर ही प्रत्येक सप्ताह सीएम हेल्पलाइन के शिकायतों की विस्तृत समीक्षा करेंगे। मुख्य रूप में अधिक शिकायतों वाले विभागों राजस्व, पंचायत, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ऊर्जा विभाग से जुडी शिकायतों की समीक्षा की जावेगी। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी स्तर पर कोई उदासीनता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जावेगी। संबंधित एल1 एवं एल2 अधिकारियों के विरूद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी।

समय सीमा पत्रों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को प्राथमिकता पर कार्यवाही करते हुए प्रकरणों को निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सभी प्रकरणों की नस्ती कार्यवाही कर एक सप्ताह में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करेंगे। आगामी एक सप्ताह अभियान चलाकर टीएल प्रकरणों की वस्तुस्थिति से अवगत कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सीएम हाउस तथा सीएम मॉनिट से प्राप्त पत्रों पर समय-सीमा में कार्यवाही कर अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने समय-सीमा के अंदर समस्त प्रकरणों को निराकृत कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि समय-सीमा बाह्य प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों तथा कर्मचारियों की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए नियमानुसार जुर्माने की कार्यवाही की जावेगी। कलेक्टर ने रीवा-सीधी-सिंगरौली रेलवे लाइन के भू-अर्जन से जुड़े मामलों में प्राथमिकता पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने जिले की सभी नदियों के उदगम स्थल पर पौधरोपण महाअभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अतिवृष्टि एवं बाढ़ के कारण जल स्रोतों के शुद्धिकरण तथा स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया है। दूषित पेयजल के कारण होने वाली बीमारियों के रोकथाम तथा उपचार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। बैठक में कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम हेतु कार्यस्थल पर आंतरिक परिवाद समितियों के गठन के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल प्रिया पाठक, मझौली आरपी त्रिपाठी, चुरहट शैलेष द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर एसपी मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

नेता प्रतिपक्ष ने कराई सड़क की मरम्मत, गर्भवती महिला की पुकार पर पहल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में एक गर्भवती महिला की मदद के लिए चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल ने सड़क मरम्मत का काम सोमवार से शुरू कराया है। इस काम में करीब 10 लाख रुपए का खर्च आएगा। खड्डी से बगैहा तक की सड़क की खस्ता हालत से 9 महीने की गर्भवती लीला साहू परेशान थीं। सड़क की स्थिति इतनी खराब थी कि एंबुलेंस तक गांव नहीं पहुंच पाती थी। लीला ने सोशल मीडिया पर अपनी समस्या को उठाया। उन्होंने सांसद, मंत्री और स्थानीय प्रशासन से मदद मांगी। किसी ने ध्यान नहीं दिया। सोमवार को विधायक राहुल सिंह ने लीला को फोन कर सड़क बनवाने का आश्वासन दिया।

विधायक बोले- मांग न्याय संगत है: विधायक राहुल ने इसे न्याय संगत मांग मानते हुए तत्काल कार्रवाई की। अगले दो-तीन दिन में काम पूरा होगा। इस निर्माण कार्य में करीब 10 लाख रुपए का खर्च आएगा। यह पूरी राशि विधायक अपने निजी खर्च से वहन करेंगे। विधायक ने प्रशासन से पक्की सड़क के निर्माण की मांग भी की है। इस मौके पर प्रतिनिधि ज्ञानेंद्र अग्निहोत्री भी मौजूद रहे।

भारतीय सिंधू सभा की बैठक संपन्न, समाजसेवियों को मिलेगा 'सिन्धु रत्न' सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय सिंधू सभा की एक महत्वपूर्ण बैठक 20 जुलाई, रविवार को कंवर नगर, सिन्धी कॉलोनी स्थित अमर शहीद हेमू कालानी पार्क परिसर में संस्था अध्यक्ष श्री अशोक चांदवानी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संस्था के संरक्षक गोपी गेलानी, श्रीचंद मनवाणी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोपीचंद कापड़ी, मनोहर आरतानी, युवा शाखा प्रदेश मंत्री देवेंद्र सत्यवानी, युवा शाखा अध्यक्ष विकास सुखेजा सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।संस्था के महामंत्री विनोद गेलानी ने बताया कि बैठक में पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। साथ ही, आगामी 24 अगस्त, रविवार को 'अखंड भारत सिन्ध स्मृति दिवस' के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इस कार्यक्रम में समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को 'सिन्धु रत्न' और 'विशिष्ट सामाजिक व्यक्तित्व सम्मान' से नवाजा जाएगा। इसके अलावा, वरिष्ठ नागरिकों (महिला-पुरुष) और श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया जाएगा। बैठक में अशोक आहूजा, रंजीत सेनानी, गंगाराम सचदेव, राजकुमार रोचलानी, संजय आहूजा, भानु हासवानी, नारायणदास गुलाबी, जेठानंद वाधवानी, जैकी छाबड़िया, विनय सुखेजा, दिनेश जगवानी, गोल्डी खिलवानी, किशोर वलेचा सहित कई सम्मानित सदस्यों ने हिस्सा लिया।यह आयोजन समाजसेवा और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सिंधू सभा के प्रयासों का हिस्सा है।

गांवों में देहदान की अलख, 113वां संकल्प लिया गया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विंध्य क्षेत्र में देहदान और नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में संत मोतीराम आश्रम के महंत स्वामी खिम्यादास का नेतृत्व सराहनीय रहा है। उनके मार्गदर्शन में अब तक 113 लोगों ने मरणोपरांत देहदान का संकल्प लिया है। इसी कड़ी में 20 जुलाई, रविवार को ग्राम बजवाही, अमरपाटन निवासी 43 वर्षीय अरुण कुमार वर्मा, उनकी धर्मपत्नी मनवाती वर्मा और बिरसिंहपुर निवासी रमेश सेन ने भी देहदान का संकल्प लिया।युवा समाजसेवी विनोद गेलानी ने बताया कि स्वामी खिम्यादास के सान्निध्य में सतना जिले में देहदान के प्रति लोगों में उत्साह बढ़ रहा है। अरुण वर्मा, मनवाती वर्मा और रमेश सेन को डॉ. प्रमोद पाठक, डॉ. माणिकचंद गुप्ता, डॉ. नीरज पांडे और डॉ. सनत गौतम ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।आश्रम के सेवादार अतुल दुबे ने बताया कि अब तक 10 देह मेडिकल कॉलेज को सौंपी जा चुकी हैं। इसके साथ ही आश्रम के प्रयासों से 100 से अधिक नेत्रदान भी कराए गए हैं। इस अवसर पर अतुल दुबे, गोपीचंद कापड़ी, मनोहर मोरियानी, नमो नारायण खत्री, विमल मित्रा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। भाई प्रह्लाद, मुकेश अग्रवाल, विनोद गुप्ता, वीरेंद्र यादव, ज्ञान हासवानी, नंदलाल छाबड़िया, प्रकाश कनोडिया और अनिल चौरसिया ने देहदानियों के परिवार को साधुवाद दिया।यह पहल न केवल समाज में जागरूकता फैला रही है, बल्कि चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

कार चालक ने दूसरी गाड़ी को बचाने अचानक ब्रेक लगाए, पीछे से दो वाहन टकराए; मौत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। एक कार चालक ने दूसरी कार को बचाने के लिए अचानक ब्रेक लगाए। इसके बाद पीछे से आ रहा किराने का सामान लदा 709 वाहन टकराया। फिर गैस सिलेंडर से भरी पिकअप भी टकरा गई। इन टक्करों की चपेट में बाइक भी आ गई। जिससे 15 साल के धर्म यादव की मौत हो गई। हादसे में दो अन्य युवक घायल हो गए। हैं। ये हादसा सोमवार शाम 4 बजे बड़ौरा स्थित शिव मंदिर के पास हुआ। 18 साल का रजनीश यादव और 17 साल अंकित जायसवाल घायल है। कुरवाह गांव से तीन दोस्त बाइक पर शिव मंदिर भोलेनाथ के दर्शन करने जा रहे थे।

हादसे में चोरों वाहन डैमेज: सेमरिया थाना प्रभारी केदार परौहा के अनुसार, घायलों को जिला अस्पताल सीधी में भर्ती कराया गया है। मृतक का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। हादसे में चार वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। अन्य वाहन चालकों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आकाशवाणी से मिलेगी हाथियों की लोकेशन, जिले में 59 मामले दर्ज

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के दक्षिण वनमंडल के बुढ़ार रेंज में हाथियों ने बड़ा नुकसान पहुंचाया है। चार दलों में विभाजित हाथियों के झुंड ने आसपास के गांवों में 31 मकानों को क्षतिग्रस्त कर दिया। शहडोल जिले के वन विभाग ने कुल 59 नुकसान के केस दर्ज किए हैं। बुढ़ार रेंज की हरदी बीट के सारंगपुर, शिल्पुरी, कठई, कोल्हारू टोला, हरदी और कोदावल गांव प्रभावित हुए हैं। हाथियों ने खेतों और घरों को नुकसान पहुंचाया है। कई परिवारों को रात में अपने घर खाली करने पड़े हैं। ग्रामीण मशाल जलाकर रात में निगरानी कर रहे हैं।

सुबह-शाम प्रसारित होगा बुलेटिन: दक्षिण वन मंडल अधिकारी श्रद्धा पंद्रे ने बताया कि हाथियों की गतिविधियों की सूचना आकाशवाणी से प्रसारित की जाएगी। वन विभाग रोजाना एक प्रेस नोट जारी करेगा। इसमें हाथियों का वर्तमान स्थान और संभावित मार्ग की जानकारी दी जाएगी। आकाशवाणी सुबह-शाम के बुलेटिन में यह जानकारी प्रसारित करेगा। वन विभाग ने ग्राम सुरक्षा समितियों को सतर्क कर दिया है। लोगों से हाथियों से दूर रहने की अपील की गई है।

हाथियों का 100 वर्ष पुराना पारंपरिक रास्ता: यह मार्ग हाथियों का 100 वर्ष पुराना पारंपरिक रास्ता है। 2018 से इस मार्ग पर हाथियों की आवाजाही बढ़ी है। वर्तमान में हाथी बुढ़ार वन क्षेत्र से 15 किलोमीटर दूर अकुवा गांव पहुंच गए हैं। अब यह झुंड अनूपपुर के जैतहरी की दिशा में आगे बढ़ रहा है। बुढ़ार वन परिक्षेत्र के हरदी गांव में हाथियों ने खेत में बने एक पूरे परिवार के घरों में तोड़-फोड़ कर दी। बीते दिनों यह हाथी शहडोल वन परिक्षेत्र से बुढ़ार वन परिक्षेत्र पहुंचे थे। कुछ दिनों बाद हाथी अहिरगवां की ओर चले गए थे, लेकिन रात गुजारने के बाद हाथी दोबारा बुढ़ार वन परिक्षेत्र लौट आए। फिर दो दिन तक यहां आतंक मचाया। सोमवार सुबह लगभग 4 बजे हाथी अब अनूपपुर के अकुवा चले गए।

बल्कर ने बाइक सवार दंपती को कुचला, पति की मौत; पत्नी की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के जोगीपुर बाइपास तिराहे पर सोमवार दोपहर डेढ़ से 2 बजे के बीच 18 चक्के के वाहन (बल्कर) ने सामने से आ रहे बाइक सवार दंपती को कुचल दिया। हादसे में पति की मौके पर मोत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल है। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल के मुताबिक, मृतक की पहचान कुकड़ीझर निवासी अन्नपूर्णा विश्वकर्मा (45) के रूप में हुई, जबकि अन्नपूर्णा की पत्नी राधा विश्वकर्मा घायल हैं। दंपती बाइक से सीधी जिला अस्पताल जा रहे थे। हादसे में राधा का एक पैर टूट गया।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। टीआई के अनुसार बल्कर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीदों के बयान के आधार पर जांच कर रही है। प्रथम दृष्टया यह लापरवाही और तेज रफ्तार का मामला लग रहा है। अन्नपूर्णा विश्वकर्मा अपने परिवार के मुख्य कमाऊ सदस्य थे। स्थानीय लोग प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

जाखी गांव में जल संरक्षण और काव्य गोष्ठी का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। साहित्यिक सांस्कृतिक मंच के अध्यक्ष डॉ. यू.बी. सिंह परिहार के नेतृत्व में ग्राम जाखी में 20 जुलाई को जल संरक्षण और काव्य गोष्ठी का आयोजन दो सत्रों में हुआ। मुख्य अतिथि रामानंद सिंह, सेवानिवृत्त अधीक्षण यंत्री जल संसाधन, और कार्यक्रम की अध्यक्षता गीतेंद्र प्रताप सिंह, सेवानिवृत्त संयुक्त कमिश्नर, ने की। विशिष्ट अतिथियों में वरिष्ठ साहित्यकार छोटे लाल पांडे, नरेंद्र प्रताप सिंह और डी.पी. चतुर्वेदी, सेवानिवृत्त कार्यपालन यंत्री, शामिल रहे।कार्यक्रम की शुरुआत शैलेंद्र सिंह परिहार शैल की सरस्वती वंदना से हुई। डॉ. यू.बी. सिंह ने अपने स्वागत भाषण में जल, जमीन, जंगल और जानवरों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और जल संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। ओम प्रकाश अग्रवाल ने भूजल के अंधाधुंध दोहन पर चिंता जताई और कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा देने की बात कही। रामानंद सिंह ने प्रकृति के पांच तत्वों के संरक्षण पर बल दिया, जबकि डी.पी. चतुर्वेदी ने बंद हैंडपंपों को रिचार्ज करने की अपील की। जय नारायण सिंह, पूर्व सरपंच जाखी, ने वृक्षारोपण पर जोर दिया। गीतेंद्र प्रताप सिंह ने सुझाव दिया कि गोष्ठी को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू कर जाखी से जल संवर्धन शुरू किया जाए। उन्होंने देशी अनाज की खेती और बंद बोरवेलों को पुनर्जनन पर बल दिया। ब्लॉक सरपंच संघ अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह धौरा ने ग्राम पंचायतों में जल संचय का आश्वासन दिया। दूसरे सत्र में शैलेंद्र प्रताप सिंह, टी.के. सिंह परिहार, नरेंद्र प्रताप सिंह, छोटे लाल पांडे, अजीत सिंह परिहार, रामपाल सिंह परिहार, नागेंद्र प्रतिहार, रमेश प्रताप सिंह, डॉ. अरुण कुमार पयासी और डॉ. यू.बी. सिंह ने जल संरक्षण पर काव्य पाठ कर ग्रामीणों को प्रेरित किया। डॉ. यू.बी. सिंह ने जाखी में जल संवर्धन के लिए पांच सूत्र प्रस्तुत किए, जिनमें भौगोलिक स्थिति के अनुसार संरचनाओं का निर्माण, भूजल भरण प्रशिक्षण, ट्यूबवेल रिचार्ज, फॉर्म पॉन्ड और डबरी निर्माण, और वनीकरण शामिल हैं। कार्यक्रम का संचालन धर्मेंद्र सिंह परिहार ने किया और आभार प्रदर्शन सरपंच भूपेंद्र सिंह ने किया। गोष्ठी में शिवेंद्र सिंह, अवध राज सिंह, नन्हे दाहिया, राजन सिंह, राकेश कुमार, मनीष छेदी लाल और ग्रामीणों ने हिस्सा लिया।

खाली पड़ी नगर निगम की गौशाला, सड़कों पर घूम रहे आवारा मवेशी; सड़क पर हो रहे हादसे

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। नगर निगम द्वारा संचालित गौशाला आज पूरी तरह से खाली पड़ी है। यहां न तो मवेशी हैं और न ही कोई कर्मचारी तैनात है। इस बीच शहर की सड़कों पर आवारा मवेशियों की संख्या बढ़ती जा रही है। वार्ड क्रमांक 29 में 2022 में इस गौशाला का निर्माण किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य शहर में घूम रहे आवारा मवेशियों को यहां रखना था। यह आम आदमी पार्टी की महापौर रानी अग्रवाल के चुनावी वादों में से एक था। महापौर रानी अग्रवाल का कहना है कि उन्होंने गौशाला में सभी व्यवस्थाएं करवाई हैं। अगर कोई लापरवाही हो रही है तो वे अधिकारियों से बात करेंगी। उन्होंने बताया कि यहां आवारा पशुओं को रखने की पूरी व्यवस्था है।

हालांकि, वार्ड 29 देवरा के निवासी छोटेलाल वर्मा का कहना कुछ और है। उनके अनुसार गौशाला बनने से कोई फायदा नहीं हुआ है। आवारा मवेशी अब भी फसलों का नुकसान कर रहे हैं। गौशाला में बिजली की व्यवस्था नहीं है। इसकी वजह से कर्मचारी यहां नहीं रुकते हैं। स्थान सुरक्षित भी नहीं है। सड़कों पर घूम रहे मवेशियों की वजह से कई हादसे हो चुके हैं। स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फिर भी नगर निगम का प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने जनपद मझौली के सीईओ का अतिरिक्त पदभार ग्रहण किया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी धनन्जय मिश्रा के द्वारा जनपद पंचायत मझौली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का अतिरिक्त का पदभार ग्रहण कर लिया गया है। उन्होंने जनपद पंचायत के समस्त शासकीय सेवकों के साथ पी.सी.ओ. उपयंत्री सचिव एव ग्राम रोजगार सहायकों की बैठक आयोजित कर योजनाओ की समीक्षा की। बैठक में ग्राम पंचायतों में समग्र ई-केवाईसी, पी.एम.ए.वाय ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री आवास की पूर्णता, मनरेगा प्लाटेशन एवं मनरेगा के श्रमिक नियोजन कार्य पूर्णता, जनपद पंचायत मझौली के निर्माण कार्यों की समीक्षा, स्वच्छ भारत मिशन के फीडबैक में प्रगति लाने के लिये निर्देश दिये गये। साथ ही जल वृष्टि में सभी को सजग रहने के लिये निर्देशित किया गया।

झोलाछाप डॉक्टरों के 3 क्लिनिक पर लगे ताले, बिना डिग्री के कर रहे थे इलाज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने अवैध क्लिनिक के खिलाफ कार्रवाई की है। रविवार और सोमवार को बहरी और मायापुर क्षेत्र में तीन अवैध क्लिनिक सील किए गए। इन क्लिनिक में बिना मेडिकल योग्यता के मरीजों का इलाज किया जा रहा था। यहां मरीजों को भर्ती तक किया जाता था। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम भूषण पटेल और डॉ. अमित वर्मा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। बहरी में आर.के. बिंद उर्फ बनारसी और डी.के. सिंह के दो क्लिनिक सील किए गए। मायापुर बाजार में एक अन्य अवैध क्लिनिक को भी बंद कर दिया गया। सीधी जिले में कई अवैध क्लिनिक संचालित हो रहे थे। इन क्लीनिकों में बिना किसी मेडिकल रजिस्ट्रेशन के मरीजों का इलाज किया जाता था। इससे मरीजों की जान को खतरा था। स्वास्थ्य विभाग को इन क्लीनिकों की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। कार्रवाई की खबर मिलते ही अन्य अवैध क्लिनिक संचालक अपनी दुकानें बंद कर फरार हो गए। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। विभाग ने लोगों से अवैध क्लीनिकों की सूचना देने की अपील की है।

राजस्व प्रकरणों में लापरवाही पर होगा एक्शन

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए निर्देश, कहा- पेंडिग केस जल्द निपटाएं

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की और शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नामांतरण, नक्शा तरमीम, बंटवारा, अवमानना और सायबर तहसील से जुड़े मामलों की बारीकी से जांच की। उन्होंने सभी लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए।

जनहानि, पशु हानि और फसल हानि के प्रकरणों पर विशेष ध्यान दिया गया। कलेक्टर ने इन संवेदनशील मामलों में पीड़ितों को तत्काल सहायता देने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत ई-केवाईसी की प्रगति की भी समीक्षा हुई। कलेक्टर पंचोली ने सभी पात्र किसानों का ई-केवाईसी कार्य जल्द पूरा करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से क्षेत्र का दौरा करने और जनता से सीधा संवाद स्थापित करने का निर्देश दिया। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि प्रशासन की प्राथमिकता जनहित है और इसमें किसी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

विचार

हम सिर्फ चिंता जताते रह गये और चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बनाने का काम शुरू भी कर दिया

चीन ने भारत सीमा से लगे दक्षिण-पूर्वी तिब्बत के न्यिंगची क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी पर एक विशाल बांध के निर्माण की आधिकारिक शुरुआत कर दी है। इस परियोजना का शिलान्यास खुद चीनी प्रधानमंत्री ली क्वियांग ने किया। स्थानीय मीडिया के हवाले से यह खबर सामने आई है। हम आपको याद दिला दें कि इस परियोजना को दिसंबर 2024 में चीन सरकार ने स्वीकृति दी थी। चीन इसे 'कार्बन न्यूट्रलिटी' और तिब्बत क्षेत्र के आर्थिक विकास से जोड़कर देख रहा है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार इस परियोजना से उत्पन्न बिजली का अधिकांश हिस्सा तिब्बत के बाहर के क्षेत्रों में भेजा जाएगा, जबकि आंशिक रूप से तिब्बत की स्थानीय ऊर्जा आवश्यकताओं की भी पूर्ति होगी। इस निर्माण के तहत पांच प्रमुख हाइड्रोपावर स्टेशन बनाए जाएंगे जिन पर अनुमानित खर्च 1.2 ट्रिलियन युआन (लगभग 167 अरब डॉलर) होगा। चीन का दावा है कि यह परियोजना यांग्त्से नदी पर बने विश्वप्रसिद्ध थ्री गॉर्जेस डैम से भी अधिक बिजली उत्पादन करेगी। दूसरी ओर, भारत और बांग्लादेश जैसे डाउनस्ट्रीम देशों के लिए यह परियोजना कई आशंकाओं को जन्म देती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे ब्रह्मपुत्र नदी के जलप्रवाह और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। भारत सरकार ने इस परियोजना को लेकर पहले ही चिंता व्यक्त कर दी थी। जनवरी 2025 में भारत के विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा था कि भारत ने चीन से आग्रह किया है कि ब्रह्मपुत्र के अपस्ट्रीम इलाकों में की जा रही गतिविधियों से डाउनस्ट्रीम देशों के हितों को नुकसान न पहुंचे। इसके जवाब में चीन ने कहा था कि यह बांध डाउनस्ट्रीम प्रभाव के लिहाज से 'नकारात्मक असर' नहीं डालेगा। हम आपको यह भी बता दें कि इस बांध के निर्माण को लेकर केवल भारत ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण विशेषज्ञ भी चिंतित हैं। दरअसल तिब्बती पठार को 'विश्व की जल टंकी' कहा जाता है और यह क्षेत्र पहले ही जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों का सामना कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी बड़ी परियोजना से तिब्बती पठार की नाजुक पारिस्थितिकी पर स्थायी और अपूरणीय प्रभाव पड़ सकता है, जिससे पूरे हिमालयी क्षेत्र में जल, मौसम और पारिस्थितिकी परिवर्तन की आशंका है। देखा जाये तो भारत के लिए यह परियोजना केवल पर्यावरण या जलस्त्रोत का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह रणनीतिक और भू-राजनीतिक चिंता भी है। न्यिंगची क्षेत्र, जहां यह बांध बन रहा है, भारत के अरुणाचल प्रदेश के बेहद करीब है, जिसे चीन 'दक्षिण तिब्बत' कहकर अपना हिस्सा बताता रहा है। इस बांध के जरिये चीन भविष्य में ब्रह्मपुत्र नदी के पानी के प्रवाह को नियंत्रित कर सकता है, जिससे अरुणाचल प्रदेश, असम और बांग्लादेश तक पानी की आपूर्ति पर प्रभाव पड़ सकता है। इससे न सिर्फ भारत की खाद्य सुरक्षा, सिंचाई और बिजली परियोजनाएं प्रभावित हो सकती हैं, बल्कि आपदा (बाढ़ या सुखाड़) के जोखिम भी बढ़ सकते हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि चीन लंबे समय से अपने पड़ोसी देशों के खिलाफ 'डैम डिप्लोमेसी' यानी बांध निर्माण के जरिये दबाव बनाने की रणनीति अपनाता रहा है। मेकोंग नदी हो या ब्रह्मपुत्र, चीन बार-बार अपने अपस्ट्रीम अधिकारों का हवाला देकर डाउनस्ट्रीम देशों को असहज स्थिति में डालता आया है। भारत के लिए आगे की राह क्या होनी चाहिए, यदि इस पर गौर करें तो निश्चित रूप से भारत को इस मुद्दे पर राजनयिक दबाव के साथ आंतरिक तैयारी भी तेज करनी होगी। इसके अलावा, अरुणाचल और असम में वैकल्पिक जलस्त्रोतों का प्रबंधन करना होगा, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन के कदमों का विरोध करना होगा और भारत-बांग्लादेश के बीच मजबूत सहयोग स्थापित करना होगा। साथ ही ब्रह्मपुत्र बेसिन में अपने जल बुनियादी ढांचे को मजबूत करना भारत की रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि यह बांध तिब्बत और दक्षिण एशिया की राजनीति, पर्यावरण और भू-राजनीति के लिए आने वाले वर्षों में एक बड़ा मुद्दा बनने जा रहा है। भारत को अब केवल चिंता व्यक्त करने से आगे जाकर, सक्रिय रणनीतिक, कूटनीतिक और तकनीकी उपाय करने होंगे। जहां तक भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की ओर से व्यक्त की गयी चिंता की बात है तो आपको बता दें कि अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने हाल ही में कहा था कि राज्य की सीमा के निकट चीन द्वारा बनाया जा रहा विशाल बांध एक ''वाटर बम'' होगा और यह सैन्य खतरे के अलावा, किसी भी अन्य समस्या से कहीं ज्यादा बड़ा मुद्दा है।

संसद में हंगामा मतलब समय और संसाधनों की बर्बादी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हो चुकी है और जैसा कि उमीद थी, सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही। विपक्ष पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, मणिपुर, चीन जैसे विषयों पर नारेबाजी कर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष ने दोनों सदनों में पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी की। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। ट्रप 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी जवाब देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- हम चर्चा करेंगे और हर तरीके से करेंगे।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि, एक ओर ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक और शानदार सफलता की दुंदभि देशवासियों में ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी जोर-शोर से बज रही है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता अपने एक एजेंडा और झूठे नैरेटिव के साथ भारत को बदनाम करने के मिशन पर चल रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राहुल गांधी बार-बार सरकार से सवाल पूछ रहे हैं कि हमारे कितने फाइटर जेट को नुकसान हुआ। दरअसल, वे पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। उन्हें पूछना तो यह चाहिए कि हमारी वायुसेना ने पाकिस्तान को किस तरह तहस-नहस कर दिया? लेकिन राहुल गांधी द्वारा अनाप-शनाप तरीके से ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना किसी के भी गले नहीं उतर रही है।

वास्तव में, देश के विपक्षी दल और विश्व की ताकतें बखूबी जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बलों ने किस कारनामे को अंजाम दिया है। भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुनिया हतप्रभ है। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय कहीं राजनीतिक तौर मोदी सरकार को न मिल जाए, इसलिए विपक्ष लगातार रणनीति के तहत अनावश्यक सवाल पूछ कर ऑपरेशन सिंदूर पर सेना और सरकार को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहा है। विपक्ष के इस रवैये से सेना का मनोबल तो गिरता ही है, वहीं देश की उपलब्धियों और गर्व के क्षणों पर भी ग्रहण लगता है।

ये कोई पहली बार नहीं है जब विपक्ष खासकर कांग्रेस किसी विदेशी नेता के बयान या रिपोर्ट के आड़ में संसद को समय बर्बाद कर रहा है। विपक्ष अपने आलोचना धर्म की आड़ में विपक्ष देश की उपलब्धियों और मान—सम्मान पर बेजा टीका—टिप्पियां करने से बाज नहीं आता। राजनीतिक विचारधारा की लड़ाई अपनी जगह है। पक्ष—विपक्ष में बहस, तर्क वितर्क और टीका टिप्पणी तो लोकतंत्र की प्राणवायु है। लेकिन सरकार या किसी राजनीतिक दल पर हमला करते करते देश के मान सम्मान को नीचा गिरा देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। और देश के संविधान, सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को हासिल नहीं है। भले ही व्यक्ति किसी भी पद या पृष्ठभूमि से जुड़ा हुआ हो। हर नागरिक के लिए राष्ट्र प्रथम का भाव सर्वोपरि, सर्वोत्तम और सिर माथे पर होना ही चाहिए।

मामला चाहे देश की सुरक्षा से जुड़ा हो या फिर आर्थिक क्षेत्र की बात हो। विपक्ष सरकार, सेना और संवैधानिक संस्थाओं के बयान पर विश्वास करने की बजाय दूसरे देशों और विदेशी एजेंसियों एवं संस्थाओं के बयान, रिपोर्ट और बयानबाजी पर संसद में हंगामा करता है। असल में संसद सत्र के दौरान देश और दुनिया का ध्यान उस तरफ होता है। इस समय और अवसर का देशहित और जनहित में करने की बजाय विपक्ष सरकार की छवि धूमिल करने, उसकी साख गिराने और अपनी राजनीति चमकाने के लिये करता है।

2023 के बजट सत्र में अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ था। अगस्त 2024 में हिंडनबर्ग की एक और रिपोर्ट सामने आई थी। तब भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के समय को लेकर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा था कि, पिछले कुछ समय से यह देखा जा रहा है कि हर बार संसद सत्र से ठीक पहले विदेश से एक रिपोर्ट जारी कर दी जाती है। इसको आधार बनाकर विपक्ष संसद में हंगामा खड़ा करता है। उन्होंने इसे एक सोची-समझी साजिश करार दिया था। अब हिंडनबर्ग के बारे में एक भी शब्द राहुल गांधी या विपक्ष का कोई नेता बोलता सुनाई नहीं देता।

विपक्ष की राजनीतिक सोच और विचार का समर्थन करने वाला एक तथाकथित तबका देश में मौजूद है। ये लोग भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध के विरोध के लिए 'से नो टू वॉर' कह रहे थे वही लोग आज सीजफायर की खिल्ली उड़ा रहे हैं। अब यही लोग कह रहे हैं कि सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगे झुक गई। यह लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के इरादे और जज्बे से कर रहे हैं। इनका मूल उद्देश्य यही है कि किसी भी तरह यह साबित कर सकें कि सीजफायर को स्वीकार करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक कमजोर पीएम साबित किया जा सके। इस तरह की दोहरा रवैया देखकर वास्तव में हंसी आती है कि खुद को बुद्धिजीवी समझने वाले ये लोग आखिर चाहते क्या हैं?

इस साल बजट सत्र में राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी 119 प्रतिशत, जबकि लोकसभा की 118 प्रतिशत रही। विपक्ष ने नई शिक्षा नीति, मणिपुर के हालात और बढ़ती रेल दुर्घटनाओं को लेकर सवाल पूछे थे। इस दौरान कुल 16 बिल पास हुए। जट सत्र के आंकड़े भले थोड़े अच्छे दिख रहे हों, पर आमतौर पर संसद से हंगामे की तस्वीरें ही ज्यादा आती हैं। लेकिन बजट सत्र के विपरीत शीतकालीन सत्र में संसद के बहुमूल्य समय और संसाधन नष्ट हुए।

18वीं लोकसभा का शीतकालीन सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा में लगभग 105 घंटे कार्यवाही चली। सत्र के दौरान लोकसभा की प्रोडक्टिविटी 57.87 प्रतिशत, राज्यसभा में 41 प्रतिशत रही। संविधान पर चर्चा के दौरान लोकसभा में 16 घंटे जबकि राज्यसभा में 17 घंटे बहस हुई। वहीं, लेजिस्लेटिव थिंक टैंक पीआरएस इंडिया के अनुसार 20 दिनों की कार्यवाही में से लोकसभा में 12 दिन प्रश्न काल 10 मिनट से ज्यादा नहीं चल सका। शीत सत्र उदाहरण है, जब लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हो गए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार दोहरा रहे हैं कि उन्होंने दोनों पड़ोसियों में शांति कराई। अब तो उन्होंने यह भी दावा कर दिया है कि संघर्ष में कुछ जेट गिरे थे। सरकार पर स्थिति स्पष्ट करने का दबाव होगा। इसी तरह, चुनाव आयोग का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी सर केवल वोटिंग लिस्ट की समीक्षा तक सीमित नहीं रह गया है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने भी सर की टाइमिंग को सही नहीं माना है, तो सरकार को कुछ कठिन प्रश्नों का सामना करना पड़ सकता है। संसद की कार्यवाही अच्छे से चले, इसके लिए पक्ष और विपक्ष को मिलकर काम करना होगा। राजनीतिक दल अलग-अलग विचारधाराओं के हो सकते हैं, मगर सदन का अच्छी तरह चलना सभी की जिम्मेदारी है। सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन का काम नहीं करना समय के साथ देश के संसाधनों की भी बर्बादी है। उम्मीद करनी चाहिए कि हमारे प्रतिनिधि संसद के चालू सत्र में हंगामा करके राजनीति चमकाने और सस्ती लोकप्रियता बटोरने की बजाय संसद के बहुमूल्य समय और संसाधनों का सकारात्मक और सार्थक उपयोग करेंगे।

पाकिस्तान की परमाणु सुरक्षा में लगी सेंध?

नीरज कुमार दुबे

भारत और पाकिस्तान के बीच मई महीने में हुए सैन्य संघर्ष के दौरान भारत ने पाकिस्तान की किराना हिल्स पर स्ट्राइक की थी। ऐसा दावा सामने आई सैटेलाइट तस्वीरों ने किया है। हम आपको बता दें कि यह खुलासा अपने आप में इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि किराना हिल्स में ही पाकिस्तान के परमाणु बमों का ठिकाना माना जाता है। हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार यह दावा करते रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध हो सकता था। हालांकि यह भी माना जा रहा है कि भारत ने पाकिस्तान के परमाणु ठिकानों पर हमला उसके परमाणु हथियारों को नष्ट करने के उद्देश्य से नहीं बल्कि उसको चेतावनी देने के लिए किया था और इसके जरिये दुश्मन को साफ और स्पष्ट संदेश दिया था कि उसके परमाणु ठिकाने सुरक्षित नहीं हैं।

हम आपको याद दिला दें कि भारतीय वायुसेना द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर उस समय भारत ने दावा किया था कि उसने पाकिस्तान के कुछ महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों पर हमला किया। हालांकि, भारतीय वायुसेना ने तब किराना हिल्स जैसे संवेदनशील न्यूक्लियर साइट्स को निशाना बनाए जाने से इंकार कर दिया था। लेकिन अब गूगल अर्थ की ताजा तस्वीरों और सैटेलाइट इंटेलिजेंस विश्लेषक डेमियन साइमोन के विश्लेषण ने यह संकेत दे दिया है कि भारत ने सच में पाकिस्तान के इस रणनीतिक स्थल पर हमला किया था।हम आपको बता दें कि पाकिस्तान के सर्गोधा क्षेत्र के पास स्थित किराना हिल्स लंबे समय से उसके गुप्त परमाणु कार्यक्रम और रिसर्च के केंद्र के तौर पर जाना जाता है। यहां 1980 के दशक में उप-परमाणु परीक्षण भी किए जा चुके हैं। किराना क्षेत्र के भीतर सुरंगें, भूमिगत भंडारण और रडार स्टेशन इसकी सामरिक महत्ता को और बढ़ाते हैं। यही वजह है कि भारत द्वारा यहां स्ट्राइक की संभावना को पाकिस्तान और वैश्विक सुरक्षा विशेषज्ञ बेहद गंभीर मान रहे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि 9-10 मई 2025 की रात को भारतीय वायुसेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत करीब 15 ब्रह्मोस मिसाइलों और अन्य सटीक हथियारों से पाकिस्तान के 13 में से 11 बड़े एयरबेस को नुकसान पहुंचाया था। इसका उद्देश्य केवल बदला लेना नहीं, बल्कि पाकिस्तान के वायु रक्षा नेटवर्क को अपंग करना और उसकी परमाणु-संबंधी आक्रामक मंशाओं को एक संदेश देना था। किराना हिल्स पर हमला (या चेतावनी स्वरूप हमला) इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा दिखता है।

विशेषज्ञ डेमियन साइमोन के मुताबिक, गूगल अर्थ की जून 2025 की तस्वीरों में स्पष्ट रूप से किराना हिल्स पर मिसाइल इम्पैक्ट साइट दिखाई दे रही है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हमला उस स्थल पर नहीं हुआ जहां गहरी सुरंगें या न्यूक्लियर भंडारण हो, बल्कि पहाड़ी के एक हिस्से पर हुआ है जो संभवत: 'सिर्फ चेतावनी' के तौर पर चुना गया था।

दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तान ने इस हमले को लेकर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी, संभवत: इसलिए कि यदि किराना हिल्स पर हमला स्वीकार किया जाता, तो उसकी परमाणु प्रतिरोधक क्षमता की पोल खुल जाती। वहीं भारत ने भी आधिकारिक रूप से इसे नकारा और वायुसेना अधिकारी एयर मार्शल ए.के. भारती ने किराना हिल्स पर %मुस्कान' के साथ नहीं में जवाब दिया, जिससे यह सवाल और गहरा गया था।

देखा जाये तो इस घटना से तीन प्रमुख बातें सामने आईं- 1. भारत अब पाकिस्तान के तथाकथित न्यूक्लियर इंफ्रास्ट्रक्चर को भी निशाना

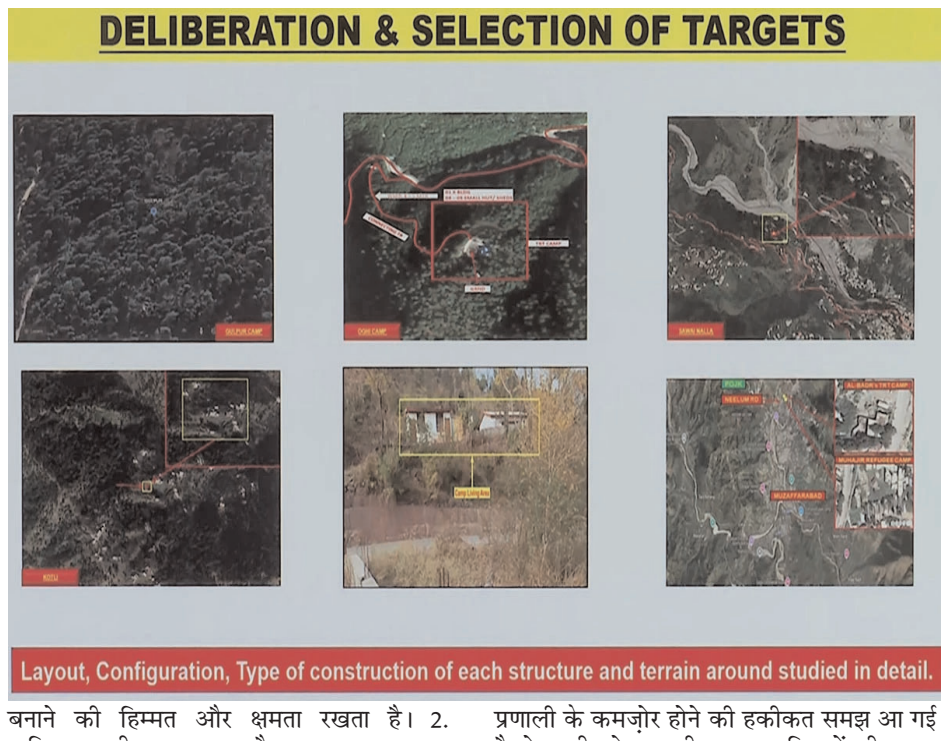

बनाने की हिम्मत और क्षमता रखता है। 2. पाकिस्तान की वायु सुरक्षा और परमाणु साइट्स पर भारत की निगरानी व इंटेलिजेंस क्षमता पहले से कहीं मजबूत है। 3. भारत ने इस स्ट्राइक के माध्यम से यह संदेश दिया कि अगर पाकिस्तान अपनी आतंक नीति नहीं बदलेगा तो अब 'न्यूक्लियर कार्ड' भी भारत को नहीं डरा सकेगा।

हम आपको बता दें कि किराना हिल्स और सर्गोधा (अब मुशाफ एयरबेस) जैसे ठिकानों पर हुए हमलों के बाद पाकिस्तान की चिंता कई गुना बढ़ चुकी है। एक ओर उसे अपनी वायु रक्षा प्रणाली के कमज़ोर होने की हकीकत समझ आ गई है तो दूसरी ओर उसकी परमाणु प्रतिष्ठानों की सुरक्षा पर भी वैश्विक संदेह गहरा गया है। सर्गोधा एयरबेस की रनवे की मरम्मत से यह भी साफ हो गया कि भारत के हमले ने वहां वास्तविक रूप से बड़ा नुकसान पहुंचाया था। पाकिस्तान के यह दावे कि उसने भारत के आदमपुर एयरबेस पर हमला कर रूस निर्मित स-400 सिस्टम को तबाह किया था, पहले ही झूठ साबित हो चुके हैं। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आदमपुर दौरा और स-400 के साथ तस्वीर भी पाकिस्तान की 'प्रोपेगेंडा फैक्ट्री' को एक्सपोज कर चुका है।

हम आपको याद दिला दें कि ऑपरेशन सिंदूर से पहले पड़ोसी देश के नेता बार-बार कह रहे थे कि पाकिस्तान एक परमाणु शक्ति संपन्न देश है, इसलिए कोई उस पर आसानी से हमला नहीं कर सकता है। पाकिस्तान के नेता कभी सोशल मीडिया पर तो कभी मीडिया को दिये जा रहे बयानों में कह रहे थे कि अल्लाह ने पाकिस्तानी सेना को देश की रक्षा के लिए ताकत दी है इसलिए भारत हमारी ओर आंख उठा कर नहीं देखे। पाकिस्तानी मंत्री कह रहे थे कि हमारे 130 परमाणु बम सजावट के लिए नहीं रखे हुए हैं। लेकिन भारत पर इन धमकियों का कोई असर नहीं हुआ था। दरअसल भारत की नीति है कि पहले परमाणु हमला नहीं करेंगे लेकिन अगर हम पर परमाणु हमला हुआ तो जरूर जवाब देंगे। यह नीति कागजों में आज भी कायम है लेकिन मोदी सरकार के मंत्री तमाम अवसरों पर कहते रहे हैं कि परमाणु हमला पहले करना है या नहीं यह सब कुछ परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। इसके अलावा भारत ने कभी यह भी नहीं कहा था कि वह दुश्मन के परमाणु केंद्र पर हमला नहीं करेगा। इसलिए पाकिस्तान के किराना हिल्स पर हमला करके एक संदेश दिया गया।

बहरहाल, 'ऑपरेशन सिंदूर' और किराना हिल्स के घटनाक्रम ने भारत-पाकिस्तान के बीच भविष्य की सैन्य रणनीति का नया अध्याय खोल दिया है। भारत ने जहां अपनी सैन्य क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया, वहीं पाकिस्तान की 'न्यूक्लियर सुरक्षा' की हकीकत और खोखले दावे भी उजागर हुए। आने वाले समय में पाकिस्तान को अपनी सुरक्षा रणनीति पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा, क्योंकि अब भारत की 'लक्ष्मण रेखा' सिर्फ एलओसी तक सीमित नहीं रह गई है।

नेशनल किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में पंजाब बना विजेता

छत्तीसगढ़ 8 गोल्ड के छठे नंबर पर रहा, 28 राज्यों से 1200 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। राजधानी रायपुर स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित वाको इंडिया राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग चैम्पियनशिप 2025 में आठ गोल्ड के साथ छत्तीसगढ़ ने छठे पोजिशन पर फिनिश किया। वहीं 22 स्वर्ण, 18 रजत और 26 कांस्य पदकों के साथ पंजाब पहले स्थान पर रहा। 21 स्वर्ण, 16 रजत एवं 29 कांस्य पदकों के साथ महाराष्ट्र दूसरे और 12 स्वर्ण, 14 रजत एवं 15 कांस्य पदकों के साथ तमिलनाडु तीसरे पोजिशन पर रहा। । इसके साथ ही असम रायफल्स को सर्वश्रेष्ठ अनुशासित टीम के रूप में सम्मानित किया गया। इस चैंपियनशिप में 28 राज्यों से आए लगभग 1200 प्रतिभागियों और 300 कोचों ने हिस्सा लिया।

सीएम ने देशभर के खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ घूमने का दिया निमंत्रणः समापन और पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु साय भी पहुंचे। साय ने कहा- चैम्पियनशिप के लिए छत्तीसगढ़ को चुनने पर वाको इंडिया राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग फेडरेशन का आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही उन्होंने देशभर से आए खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ घूमने का निमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि किक बॉक्सिंग जैसे खेल युवाओं में साहस, शक्ति और दृढ़ संकल्प का विकास करते हैं। कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल भी मौजूद रहे।

सांसद अग्रवाल बोले - किक बॉक्सिंग की ट्रेनिंग सभी स्कूलों में होः अग्रवाल ने कहा कि किक बॉक्सिंग जैसे खेल विशेष रूप से बालिकाओं की आत्मरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने सभी स्कूली छात्र-छात्राओं से पढ़ाई के साथ-साथ खेलों को भी अपनी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। वहीं महापौर मीनल चौबे ने भी सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर वाको इंडिया राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग फेडरेशन के अध्यक्ष संतोष अग्रवाल, छत्तीसगढ़ किक बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष छगन मुंदड़ा, छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, ऑब्जर्वर रेणु पारीख, मुरली शर्मा उपस्थित रहे।

ईडी कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस का चक्का जाम, 33 जिलों में करेंगे आर्थिक नाकेबंदी

भूपेश-बैज-मंहत समेत नेता होगे शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस सोमवार को प्रदेश स्तरीय चक्का जाम करने वाली है। छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में मंगलवार को आर्थिक नाके बंदी कर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी का विरोध करेंगी। पूरे प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक चक्का जाम कर विरोध जताया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत,पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव सहित तमाम वरिष्ठ नेता इस आंदोलन में भाग लेंगे। रायपुर जिले में वीआईपी चौक के पास नेशनल हाईवे जाम किया जाएगा वही धरसींवा में भी एनएच को जाम कर प्रदर्शन होगा।

विपक्षी नेताओं कों बनाया जा रहा निशानः कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र सरकार ईडी जैसी संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है और डराने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि शराब घोटाले के नाम पर चल रही जांच का असली मकसद कांग्रेस को कमजोर करना है। पूर्व सीएम के बेटे चैतन्य बघेल को साजिश के तहत झूठे आरोपों में फंसाया गया है। इस चक्का जाम के दौरान जिलों में प्रमुख सड़कों, चौराहों और व्यापारिक क्षेत्रों में यातायात रोका जाएगा। वही कांग्रेस के बड़े नेता भी इस आंदोलन में शामिल होगे।

रायपुर में यहां होगा चक्का जामः रायपुर जिला अध्यक्ष गिरीश दुबे ने बताया कि रायपुर के मैग्नेटो मॉल के सामने नेशनल हाइवे को जाम किया जाएगा। इसी के साथ ही रायपुर जिला ग्रामीण कांग्रेस के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में धरसींवा में चक्का जाम करेंगे।

स्टाइलिश चाकू लेकर घूमते मिले दो युवक, चाकूबाजी की वारदात रोकने पुलिस का एक्शन

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। लगातार हो रही चाकूबाजी के बीच पुलिस ने चाकू लेकर घूमने और ऑनलाइन चाकू मंगाने वालों की धरपकड़ शुरू कर दी है। रविवार को रेलवे इलाके में स्टाइलिश चाकू लेकर घूम रहे दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से 10 बटनदार चाकू बरामद किया गया है। मामला तारबाहर थाना क्षेत्र का है। सीएसपी निमितेष सिंह ने बताया कि, एसीसीयू की टीम को सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन सर्विस प्रोवाइडर क्षेत्र में दो युवक धारदार हथियार लेकर घूम रहे हैं। इस पर पुलिस की टीम ने घेराबंदी कर सरकंडा क्षेत्र के अशोक नगर डीएलएस कालेज के पास रहने वाले निखिल साहू (19) को पकड़ लिया। उसके पास से आठ चाकू बरामद किया गया। वहीं, गौरेला के मंगली बाजार हनुमान मंदिर के पास रहने वाले सुमित चौरसिया (20) से दो चाकू जब्त किया गया है। दोनों युवकों को तारबाहर थाने लाकर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

ऑनलाइन चाकू मंगाने वालों से हुई पूछताछः एसीसीयू की टीम ने ऑनलाइन शापिंग प्लेटफार्म से धारदार हथियार मंगाने वालों की जानकारी जुटाई है। इसमें पता चला कि जिले में 40 लोगों ने धारदार हथियार मंगाए हैं। इसके बाद पुलिस ने संबंधित से संपर्क कर पूछताछ के लिए थाने बुलाया। इसमें पता चला कि ज्यादातर लोगों ने घरेलू उपयोग के लिए चाकू मंगाए थे। वहीं, पांच युवकों की गतिविधियां संदिग्ध मिली। उन्हें संबंधित थाने भेजकर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

श्याम बिहारी जायसवाल ने भूपेश बघेल को धृतराष्ट्र की दी उपाधी

भूपेश के बेटे कांग्रेस के कौन से पद पर है जो कांग्रेस प्रदर्शन कर रही है

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री व मनेंद्रगढ़ विधानसभा के विधायक श्यामबिहारी जायसवाल .ने आज चिरमिरी स्थित श्यामली गेस्ट हॉउस मे आहूत संवाददाता सम्मेलन/प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस बताएं कि भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल कांग्रेस के किस पद पर है, जिस व्यक्ति का कांग्रेस में कोई पद नहीं उसे व्यक्ति के लिए पूरी कांग्रेस प्रदेश में प्रदर्शन कर रही है इसका साफ मतलब है कि भूपेश बघेल ने पूरी कांग्रेस को पुत्र मुंह में झोंक दिया है। श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि हमने पहले भी बड़े-बड़े ऐसे उदाहरण देखें हैं जिसमें लोगों ने पुत्र मोह में खुद को भी बर्बाद किया और अपने पूरे साम्राज्य को भी बर्बाद किया है और भूपेश बघेल इस दिशा में काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं। भूपेश बघेल और कांग्रेस भ्रष्टाचारियों को बचाने पूरे प्रदेश की जनता को परेशान कर रही है और साथ ही उनका आर्थिक रूप से नुकसान भी करने जा रही है जो की प्रदेश की जनता स्वीकार नहीं करेगी।

कोल ब्लॉक आवंटन को लेकर कांग्रेस पार्टी और भूपेश बघेल के झूठ का पर्दापाश हो गया है। भाजपा ने पत्रकार वार्ता में तथ्यों एवं दस्तावेज प्रेजेंटेशन के माध्यम से कांग्रेस के झूठ को एक बार फिर बेनकाब किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चोरी और सीनाजोरी का उदाहरण बार-बार प्रस्तुत कर रही है। आप सबको पता होगा कि अपने शासनकाल के पाँच वर्ष में भूपेश बघेल जी ने छत्तीसगढ़ को दस जनपथ का चारागाह बना दिया था। उन्होने कहा कि शराब घोटाला, कोयला घोटाला, चावल घोटाला, गोठान घोटाले से लेकर पीएससी घोटाले तक में इसने प्रदेश के संसाधनों को जम कर लूटा था, आज इन घोटालों के आरोपी एक - एक कर नप रहे हैं। सभी जेल जा रहे हैं। श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि बेवजह जिस तरह अपराधियों के विरुद्ध हो रही कानून सम्मत कार्रवाई को कहीं और मोड़ा जा रहा है, यह दुर्भाग्यजनक और कांग्रेस में हिप्पोक्रेसी का सबसे बड़ा नमूना है।

जायसवाल ने आगे कहा कि जब भी आप सभी कॉल ब्लॉक आवंटन और पेड़ कटाई आदि पर सवाल उठाते थे, तो दस जनपथ के दबाव में सीधे तौर पर भूपेश बघेलजी बचाव में आ जाते थे। कहते थे कि कोल ब्लॉक आवंटन का विरोध करने वाले अपने-अपने घरों की बिजली बंद कर दें। सवाल यह है कि अब जब झूठे और बेबुनियाद आरोप लगा कर भूपेशजी अपनी कालिख धोने की कोशिश कर रहे हैं, तो क्या वह अपने घर और राजीव भवन की बिजली बंद करेंगे? पत्रकार वार्ता के आगे की कड़ी में जायसवाल ने कहा कि यह तथ्य है कि न केवल भूपेश बघेल ने कोल ब्लॉक, अशोक गहलोत को आवंटित किया था, बल्कि उससे पहले भी मनमोहन सिंह जी की सरकार में तमाम नियमों को धता बताते हुए छत्तीसगढ़ के कोल ब्लॉक आवंटन की राह आसान की थी। उन्होंने कहा कि साल 2010 के दौरान केन्द्र में काँग्रेस की सरकार थी, तब कोयला मंत्रालय और पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा हसदेव अरण्य को पूरी तरह से नो-गो जोन घोषित किया गया था। उसे कांग्रेस नीत सरकार के पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने ही सबसे पहले गो एरिया घोषित किया था।

बहू ने प्रेमी संग मिलकर ससुर को करंट लगाकर मार-डाला

मीडिया ऑडीटर, बालोद (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में बहू ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर ससुर की करंट लगाकर हत्या कर दी। बहू का प्रेमी हारमोनियम सिखाने के बहाने अक्सर रात में उसके घर आता था। ससुर को इस पर आपत्ति थी और वह इसका विरोध करता था। जिसके चलते यह वारदात हुई। मामला डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र के ग्राम खड़ेनाडीह का है। दरअसल, खड़ेनाडीह की रहने वाली गीता निर्मलकर (30) गांव की सेवा मंडली में भजन गाने जाती थी। जहां उसकी मुलाकात पड़ोसी गांव के संगीतकार लेखराम निषाद (45) से हुई। लेखराम उसे हारमोनियम सिखाता था। इसी दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। जबकि महिला के पति गौकरण निर्मलकर को कोई आपत्ति नहीं थी।

ससुर के शक और गाली-गलौज करने पर साजिश रचीः गीता के ससुर मनोहर निर्मलकर (63) को इस दोस्ती पर एतराज था। लेखराम हारमोनियम सिखाने घर आता तो बुजुर्ग गाली-गलौज पर उतर आता था। इसी बात से तंग आकर गीता और लेखराम ने 29 जून रविवार को हत्या की साजिश रची। 16 जुलाई बुधवार की रात 12 बजे सोते हुए ससुर को करंट देकर मार डाला।

हत्या के बाद सबकुछ सामान्य दिखाने की कोशिशः 17 जुलाई गुरुवार की सुबह करीब 6 बजे हत्या के बाद सब कुछ सामान्य दिखाने की कोशिश की गई। शातिर बहू गीता ने ग्रामीणों को बताया कि, ससुर रात में शराब पीकर साइकिल से गिर गए थे और सुबह उनकी मौत हो गई। मोहल्ले की महिलाएं जब कफन लेकर घर पहुंचीं तो हल्दी लगे शरीर को देखकर पूछा तो बहू ने जवाब दिया कि गिरने से चोटें आई थीं। इसलिए हल्दी लगाई है। लेकिन जब शव श्मशान पहुंचा और चिता पर लिटाने से पहले कपड़ा हटाया गया तो गहरे घावों को देखकर ग्रामीणों को शक हुआ। उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

अंतिम संस्कार में हड़बड़ी से खुला राजः पुलिस के मुताबिक, बहू गीता का प्रेमी लेखराम निषाद हत्या को अंजाम देने के बाद चाहता था कि, मनोहर निर्मलकर का अंतिम संस्कार जल्द से जल्द कर दिया जाए।

टूरिस्ट बसों के परमिट पर चला रहे थे इंटर स्टेट

बसों की तुलना में टैक्स कम मिला तो आरटीओ को लगी भनक, 50 बसों पर कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में परिवहन विभाग ने टूरिस्ट परमिट का गलत इस्तेमाल करने वाले 50 से ज्यादा पैसेंजर बसों के खिलाफ कार्रवाई की है। विभाग ने इन बसों के मालिकों से करीब 30 हजार रुपए जुर्माना वसूला है। दरअसल, प्रदेशभर के सभी जिलों में पैसेंजर बसों की चेकिंग के लिए अभियान की शुरुआत की गई है। अभियान के तहत रायपुर के रिंग रोड सुंदरनगर इलाके में भी बसों को रोककर परमिट और दस्तावेजों की जांच की गई। इस दौरान पता चला कि टूरिस्ट परमिट लेकर कुछ बस ऑपरेटर इंटर स्टेट रूट पर बसें चला रहे थे। बस ऑपरेटर टूरिस्ट परमिट लेकर यात्रियों का परिवहन कर टैक्स की चोरी कर रहे थे। परिवहन विभाग ने ऐसे बस ऑपरेटरों के परमिट और जरूरी दस्तावेज जब्त कर लिए हैं।

शिकायत करने की गई थी कार्रवाईः बता दें कि टूरिस्ट परमिट किसी विशेष प्रायोजन के लिए जारी किया जाता है। यात्रियों की सूची, टाइमिंग और परिचालन मार्गों का ब्योरा देने पर इसे जारी किया जाता है। इस परमिट का सिर्फ एक बार इस्तेमाल किया जा सकता है। लेकिन, बस मालिक टैक्स चोरी करने इस परमिट का गलत इस्तेमाल कर रहे थे। इसकी शिकायत मिलने पर अभियान शुरू किया गया है।

चल रही बसों के अनुपात पर कम टैक्स आने पर की गई कार्रवाईः टैक्स चोरी करने के लिए दस्तावेजों में हेराफेरी और कूटरचना कर अपनी मर्जी से बसों के कई फेरे लगवाए जा रहे थे। टूरिस्ट परमिट पर ही प्रदेश के कई जिलों में संचालन भी किया जा रहा था। अंतरराज्यीय मार्गों पर बसों की संख्या में इजाफा होने के बाद भी टैक्स कम मिलने की जानकारी मिलने पर सभी जिलों के उड़नदस्ता की टीम को जांच करने निर्देश दिए गए है।

300 बसों को ही इंटर स्टेट का परमिटः इसके साथ ही विभाग ने सभी जिलों से टूरिस्ट परमिट की संख्या और चल रही बसों का ब्योरा मांगा है। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से दूसरे राज्यों के बीच इंटर स्टेट समझौते के तहत 300 बसों का संचालन किया जा रहा है। इन्हीं बसों को परमिट जारी किया जाता है। लेकिन जांच में सामने आया है कि 300 से कई अधिक बसों का संचालन टूरिस्ट परमिट पर किया जा रहा है।

आर्मी ऑफिसर्स और राइडर्स की बाइक रैली

कारगिल शहीदों की याद में रायपुर से निकली 'राइड फॉर विक्ट्री', केशकाल घाटी में गूंजा 'जय हिंद'

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़-ओडिशा सब एरिया मिलिट्री स्टेशन और रायपुर के राइडर्स ने एक बाइक रैली निकाली। ये रैली कारगिल के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित की गई। नया रायपुर के मिलिट्री स्टेशन से बस्तर की केशकाल घाटी तक राइडर्स अपनी बाइक से पहुंचे, वहां तिरंगा फहराकर 'जय हिंद' के नारे लगाए। 'राइड फॉर विक्ट्री' नाम की इस बाइक रैली में 60 से अधिक राइडर्स ने भाग लिया। रैली में सेना के जवान, रिटायर्ड सैनिक, महिला बाइकर्स और अलग-अलग वर्किंग प्रोफेशनल्स ने हिस्सा लिया। बारिश और दुर्गम रास्तों की चुनौती के बावजूद पार्टिसिपेंट्स का जोश हाई था। सेना के अधिकारियों ने बताया कि इस राइड का मकसद कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों के शौर्य और बलिदान को सम्मान देना था। साथ ही युवाओं को देशसेवा, समर्पण और राष्ट्रीय गर्व के मूल्यों के प्रति प्रेरित करना भी इस पहल का प्रमुख उद्देश्य रहा।

7 साल की बच्ची संग घर में जिंदा जली मां, पति से अलग मायके में रह रही थी

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के नंदिनी टाउनशिप में सोमवार सुबह बंद कमरे में मां-बेटी जिंदा जल गए। बताया जा रहा है कि मां-बेटी की लाशें 90 प्रतिशत से ज्यादा जल गईं हैं। बेड पर दोनों की लाशें मिली हैं। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। मामला नंदिनी थाना क्षेत्र के बीएसपी के स्ट्रीट नंबर-36 स्थित क्वार्टर का है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतिका का नाम जागेश्वरी साहू (35) और दिव्यांशी साहू (7) है। दिव्यांशी साहू जागेश्वरी साहू की बेटी थी। जागेश्वरी अपने पति से अलग पिता सीताराम साहू के साथ बीएसपी क्वार्टर में रहती थी। मां-बेटी का आखिरी रील्स वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह मस्ती करते दिख रहे हैं।

जानिए क्या है पूरा मामला : दरअसल, हादसा सोमवार सुबह करीब 6:30 बजे हुआ। मृतिका जागेश्वरी साहू के पिता सीताराम साहू बीएसपी के रिटायर्ड कर्मचारी हैं। वह हादसे के पहले टहलने निकले थे। जब करीब 6:45 बजे वह लौटे, तो घर से धुआं निकलते देखा। दरवाजा अंदर से बंद था। अंदर मां-बेटी सो रही थी। इस दौरान घबराए हुए पिता ने आनन-फानन में पड़ोसियों को आवाज लगाई। पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा। इस दौरान अंदर मां और बेटी पूरी तरह झुलसी हुई हालत में मिलीं। दोनों की आग में जलने से मौत हो चुकी थी।

पिता ने पुलिस को दी सूचना, फोरेंसिक टीम मौके परः इसके बाद पिता सीताराम साहू ने फौरन नंदिनी पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। साथ ही फोरेंसिक टीम भी जांच के लिए पहुंची। पुलिस ने मृत-मां बेटी की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए कचंदूर मेडिकल कॉलेज भेज दिया है।

जागेश्वरी पिछले 5 साल से अपने पति से अलग रह रही थीः पुलिस जांच में पता चला कि जागेश्वरी पिछले 5 साल से अपने पति से अलग रह रही थी। तलाक का केस कोर्ट में चल रहा है। वे अपनी बेटी के साथ पिता के घर में रह रही थी। सामाजिक और मानसिक तनाव की संभावना से सुसाइड की बात कही जा रही है।

ऑनलाइन अपराधों से बचाव के लिए बालिकाएं हुईं सजग, पहला जागरूकता सत्र सम्पन्न

मिशन शक्ति और पुलिस विभाग की संयुक्त प्रयास से बालिकाओं को किया गया साइबर अपराधों से सतर्क

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार की योजना बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बालिकाओं की सुरक्षा के मद्देनजर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेन्द्रगढ़ में "ऑनलाइन सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता" विषय पर पहला सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डी. राहुल वेंकट के आदेशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आर. के. खाती के मार्गदर्शन एवं पुलिस अधीक्षक चन्द्र मोहन सिंह के सहयोग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन महिला सशक्तिकरण (हब) मिशन शक्ति के अंतर्गत जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा के नेतृत्व में किया गया। यह सत्र वर्तमान समय में बालिकाओं के प्रति बढ़ते साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी, डेटा चोरी, बैंकिंग, जालसाजी, मैलवेयर, रैनसमवेयर, सॉफ्टवेयर चोरी, डी-डॉस हमलों एवं साइबर जासूसी जैसे खतरों के प्रति जागरूकता को ध्यान में रखकर आयोजित किया गया था।

पुलिस विभाग से उषा राजवाड़े ने बालिकाओं को इंटरनेट से जुड़े खतरों से सचेत रहने, सोशल मीडिया उपयोग में सावधानी बरतने और साइबर अपराधों की जानकारी देते हुए उनके बचाव के उपाय बताए। जिला मिशन समन्वयक कुशवाहा ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, बालिका समृद्धि योजना, पूरक पोषण आहार, किशोरी बालिकाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी आर. के. खाती ने बालिकाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों, शिक्षा, आत्मरक्षा और डिजिटल साक्षरता के महत्व को रेखांकित करते हुए आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मिशन शक्ति की जेंडर विशेषज्ञ शैलजा गुप्ता एवं वित्तीय साक्षरता समन्वयक अनीता कुमारी साह ने नोनी सुरक्षा योजना, सक्षम योजना, सखी निवास, शक्ति सदन, नारी अदालत, महतारी वंदन योजना, मातृ वंदन योजना, नवा बिहान जैसी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी साझा की। विद्यालय के प्राचार्य सतेंद्र सिंह के सहयोग से सत्र का सफल आयोजन किया गया। बालिकाओं ने पूरे कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न मुद्दों पर सवाल-जवाब कर अपनी जागरूकता को बढ़ाया। इस कार्यक्रम का समापन बालिकाओं के सुरक्षित, सशक्त एवं उज्जवल भविष्य की मंगलकामनाओं के साथ किया गया। कार्यक्रम में सत्येन्द्र सिंह, टी. विजय राव, दीपा देवांगन, प्रिया दुबे एवं चांदनी राज के साथ विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

शादी के लिए ट्रक ड्राइवर ने की 11लाख की चोरी

मालिक के साथ ढाबे पर पहुंचा, इशारे से दोस्त से बैग गायक करवाया, दोनों गिरफ्तार

हरदा (एजेंसी)। जिले में एक ट्रक ड्राइवर ने शादी के खर्च के लिए 11 लाख रुपए चोरी कर ली। वह मालिक के साथ इंदौर से माल बेचकर लौट रहा था। रास्ते में ढाबे पर रुकते ही उसने अपने दोस्त को इशारा कर कैश से भरा बैग गायब करवा दिया। पुलिस ने उसे बैग सहित गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, बैतूल जिले के आठनेर निवासी मोहित राठौर ने 19 जुलाई को रहटगांव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वह ड्राइवर शेख समीर के साथ ट्रक में मूंग और मक्का लेकर इंदौर गया था। वहां कांटाफोड़ मंडी में माल बेचकर उन्हें 10.70 लाख रुपए नकद मिले। इसके बाद दोनों ट्रक से वापस लौट रहे थे।

ढाबे पर खाना खाते वक्त बैग गायब हुआ: वापसी के दौरान टेमागांव के पास एक ढाबे पर उन्होंने खाना खाने के लिए ट्रक रोका। यहीं खाना खाते वक्त पैसों से भरा बैग गायब हो गया। मोहित ने पहले आसपास तलाश की, फिर रहटगांव थाने में केस दर्ज कराया।

ड्राइवर पर शक, सीसीटीवी से पकड़ाया: पुलिस ने ढाबे के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। फुटेज में एक युवक बैग लेकर बैतूल की ओर जाता दिखा। ड्राइवर समीर की गतिविधियां भी संदिग्ध लगीं। पूछताछ करने पर वह टूट गया और साजिश कबूल कर ली।

शादी के लिए रची थी चोरी की योजना: समीर ने बताया कि उसकी जल्द ही शादी होने वाली है, लेकिन पैसों की तंगी थी। इसलिए उसने अपने दोस्त साहिल शेख के साथ मिलकर चोरी की योजना बनाई। इंदौर से लौटते समय ढाबे पर रुकने का बहाना बनाकर उसने साहिल को ट्रक से बैग उठाने का इशारा किया।

पुलिस ने दोनों को पकड़ा, रकम बरामद: पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया और उनके पास से पूरी रकम बरामद कर ली। पूछताछ में साहिल ने बताया कि उसने 11 लाख में से केवल 1400 रुपए खर्च किए थे, बाकी रकम उसी के पास सुरक्षित थी।

ओंकारेश्वर में दो युवक डूबे, 1 की मौत

दूसरे सावन सोमवार में नर्मदा स्नान के दौरान हादसा; नीमच, राजस्थान से दर्शन करने आए थे

खंडवा (एजेंसी)। सावन सोमवार के दिन ओंकारेश्वर में फिर एक हादसा हो गया। नर्मदा स्नान के दौरान दो युवक गहरे पानी में डूब गए, जिनमें चित्तौड़ से आए विशाल को बचा लिया गया, जबकि नीमच निवासी 26 वर्षीय पंकज की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 11 बजे गौमुख घाट पर हुआ। नीमच निवासी पंकज पिता कैलाश (26 वर्ष) और राजस्थान के चित्तौड़गढ़ निवासी विशाल अपने-अपने परिवार के साथ ओंकारेश्वर दर्शन करने पहुंचे थे। गौमुख घाट पर स्नान करते समय दोनों गहरे पानी में चले गए। घाट पर पहले से तैनात एसडीआरएफ की टीम ने तत्काल सर्चिंग शुरू की। रेस्क्यू टीम ने विशाल को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन पंकज को गंभीर हालत में बाहर लाया गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल: हादसे के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई। एसडीईआरएफ की त्वरित कार्रवाई से एक युवक को तो बचा लिया गया, लेकिन पंकज की मौत से उसके परिवार की महिलाएं बेसुध हो गईं। घटना के समय घाट पर भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे, जिससे राहत कार्य में भी थोड़ी देर हुई।

चार दिन पहले भी दो सगे भाई डूबे थे: ओंकारेश्वर में नर्मदा स्नान के दौरान डूबने की घटनाएं लगातार हो रही हैं। 16 जुलाई को इंदौर से आए दो सगे भाई नर्मदा-कावेरी संगम घाट पर डूबे थे। तीन दिन तक तलाश के बाद ही उनके शव मिले। हादसों के बाद भी प्रशासनिक स्तर पर पुख्ता सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए हैं।

घाटों पर नहीं हैं सुरक्षा रेलिंग: श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए घाटों पर रेलिंग या स्पष्ट गहराई संकेतक तक नहीं हैं। केवल चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं, लेकिन हादसों पर नियंत्रण नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि घाटों के अंदर अचानक गहराई हो जाने के कारण लोग डूब जाते हैं, और रेस्क्यू करना भी मुश्किल होता है।

शराब पीने पर 50 हजार का जुर्माना

दारू छोड़ने तीन महीने का समय, गांव के लोगों ने मिलकर लिया निर्णय

बैतूल (एजेंसी)। आमला की जमदेही कला के बेहड़ी गांव में शराब पीने पर 50 हजार रुपए का जुर्माना देना पड़ेगा। गांव में शराब पर प्रतिबंध लगाया है। इसका पालन न करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कराई जाएगी। ग्राम सभा में सभी की सम्मति ने यह निर्णय लिया गया। गांव की महिलाओं ने इसका स्वागत किया। सरपंच प्रतिनिधि माखनसिंह उइके ने बताया कि गांव में किसी भी प्रकार की शराब का निर्माण और बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। 700 की आबादी वाले इस गांव में 125 परिवार रहते हैं। इनमें यादव समाज के 3 परिवार हैं। शेष सभी आदिवासी समाज से हैं। सभी ने गांव को शराबमुक्त बनाने के लिए एकजुटता दिखाई है।

शराब पीने वाले को तीन महीने की छूट: शराब पीने वालों को तीन महीने की छूट दी गई है। इसके बाद शराब पीने पर भी रोक लग जाएगी। गांव में 10 से 35 वर्ष के युवाओं पर विशेष नजर रखी जाएगी। नियम तोड़ने वालों का सामाजिक बहिष्कार भी किया जा सकता है। महिलाओं ने इस फैसले का स्वागत किया है। उनका कहना है कि शराब से घरेलू हिंसा बढ़ रही थी। साथ ही परिवारों को आर्थिक नुकसान भी हो रहा था। गांव में हाल में हुई एक गोलीबारी की घटना ने भी इस फैसले को प्रेरित किया।

तीन सूने मकानों में चोरी, सीसीटीवी में दिखे दो संदिग्ध

ठेकेदार के घर से 12 लाख की ज्वेलरी और नकदी ले गए बदमाश

खंडवा (एजेंसी)। रामनगर क्षेत्र में शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात बदमाशों ने तीन सूने मकानों को निशाना बनाया। इनमें से एक ठेकेदार स्वप्निल तिवारी के घर से बदमाश करीब 12 लाख रुपए की नकदी और ज्वेलरी चोरी कर ले गए। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं, जिनमें दो संदिग्ध बदमाशों का मूवमेंट नजर आया है। बदमाशों की पहचान के लिए पुलिस ने मुखबिरों को सक्रिय किया है।

स्वप्निल तिवारी ने बताया कि वे निजी क्षेत्र में ठेकेदारी करते हैं और घटना वाली रात परिवार सहित पिपरिया रिश्तेदारी में गमी में शामिल होने गए थे। घर एक रात के लिए सूना था। उसी रात बदमाशों ने मकान का मेन गेट तोड़कर अंदर प्रवेश किया और अलमारी में रखी ज्वेलरी व नकदी चुरा ली। उन्होंने बताया कि चोरी गए माल की कुल कीमत 12 लाख रुपए से अधिक है, लेकिन पुलिस ने सिर्फ 2 लाख रुपए की चोरी का केस दर्ज किया है।

ज्वेलरी का पूरा ब्योरा पुलिस को दिया गया: स्वप्निल तिवारी ने बताया कि

बदमाशों ने घर से दो हार, एक रानी हार, चार कड़े, एक मंगलसूत्र, एक चेन, एक अंगूठी, चेन वाला मंगलसूत्र, पांचाली और कान के लटकन चोरी किए हैं। उन्होंने इन सभी की जानकारी पुलिस रिपोर्ट में दर्ज करवाई है।

तीन मकानों में एक ही रात में वारदात: रामनगर चौकी प्रभारी नंदराम वासुरे ने बताया कि इसी रात इलाके के तीन सूने मकानों में चोरी की वारदातें हुईं। सीसीटीवी फुटेज में दो संदिग्ध बदमाश अलग-अलग मोहल्लों में घूमते नजर आए हैं, जहां पर ये घटनाएं हुईं। पुलिस टीम उनकी पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। जल्द ही वारदात के खुलासे की बात कही गई है।

स्थानीय लोग डरे, पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग: लगातार चोरी की वारदातों से रामनगर क्षेत्र के लोग दहशत में हैं। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस से रात में गश्त बढ़ाने और चौकी स्टाफ को मजबूत करने की मांग की है।

तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, दो युवकों की मौत

छिंदवाड़ा (एजेंसी)। जिले के बेलनीढाना इलाके में रविवार को हुए सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। मृतक युवक भोपाल से पल्सर बाइक से अपने गांव लौट रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे की इलाज के दौरान जिला अस्पताल में जान चली गई। दमुआ थाना प्रभारी प्रमोद सिंह सिरसाम ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले युवकों की पहचान संदीप पिता सरजू उइके (29 वर्ष) और दीपक पिता रूपलाल इवनाती (32 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों ग्राम मरामबिजोरी के निवासी थे और भोपाल में नौकरी करते थे। रविवार को दोनों बाइक से अपने गांव लौट रहे थे।

बेलनीढाना के पास पिकअप ने मारी टक्कर: पुलिस के अनुसार, बेलनीढाना के पास तेज रफ्तार पिकअप ने युवकों की पल्सर बाइक को सीधी टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि संदीप की मौके पर ही मौत हो गई। दीपक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे डायल-100 की मदद से दमुआ अस्पताल ले जाया गया।

दूसरे युवक ने इलाज के दौरान तोड़ा दम: दमुआ अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद दीपक की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां रविवार देर रात इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। हादसे के बाद दोनों परिवारों में मातम पसरा हुआ है।

पिकअप चालक पर मामला दर्ज, जांच जारी: पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 194 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। वाहन जब्त कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, 8 पर केस

पिता बोले- दहेज के लिए बेटी की हत्या की; 5 लाख मांग रहे थे ससुराल वाले

अशोकनगर (एजेंसी)। भैलवासा गांव में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका रक्षा उर्फ रेखा यादव (25) को 19 जुलाई को अशोकनगर जिला अस्पताल से भोपाल रेफर किया था, लेकिन रास्ते में तबीयत ज्यादा खराब होने पर सुबह साढ़े 5 बजे उसके ससुर रामराज सिंह ने आयु अस्पताल, बैरसिया में भर्ती कराया। उपचार के दौरान सुबह 11:15 बजे उसकी मृत्यु हो गई थी। मृतका के परिवार ने पति अर्पित उर्फ हिमांशु यादव, ससुर रामराज यादव, सास ब्रजेश कुमारी, देवर अनीश यादव, ननदें रिमझिम और निधि, नंदोई अमित यादव और नीतू उर्फ नवनीत पर दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले 5 लाख रुपए की मांग कर रहे थे।

'दहेज न मिलने पर बेटी को जहर दिया': मृतका के पिता इंद्रभान सिंह यादव ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी को दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। मारपीट और मानसिक उत्पीड़न भी कर रहे थे। दहेज न मिलने पर आरोपियों ने रक्षा को जहर दे दिया।

निमंत्रण पत्र-शादी की तस्वीरें पुलिस को सौंपी: ईसागढ़ पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। मृतका के पिता ने विवाह का निमंत्रण पत्र और शादी की तस्वीरें भी पुलिस को सौंपी हैं।

परिजनों ने थाने के बहार धरना दिया: बता दें, नव विवाहिता की मौत के बाद मायके पक्ष के लोग एकत्रित होकर थाने पहुंचे थे, जहां उन्होंने देर रात तक धरना दिया था। पुलिस ने ससुराल वालों पर जांच कर एफआईआर कराने का आश्वासन दिया था। रविवार रात पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है।

गणेश प्रतिमा के हाथों पर 'मॉडर्न युवती',मूर्तिकारों के मुंह काले किए; बजरंग दल बोला- देवी प्रतिमा को भी बुर्का पहना चुके हैं

इंदौर (एजेंसी)। खजराना इलाके में मॉडर्न शैली में गणेश प्रतिमा बनाने को लेकर रविवार शाम को विवाद खड़ा हो गया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा बनाने वाले बंगाली कलाकारों पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया। कार्यकर्ताओं न उनके मुंह काले कर दिए और उन्हें खजराना थाने लेकर पहुंचे। पुलिस ने कारीगरों के खिलाफ केस दर्ज कर, कार्रवाई शुरू कर दी है। बजरंग दल कार्यकर्ताओं का कहना है कि ये कलाकार पहले भी देवी प्रतिमाओं को बुर्का पहना चुके हैं। हालांकि पिछले साल पुलिस की जांच में शिकायत सही नहीं पाई गई थी।

गणेश प्रतिमाओं की आपत्तिजनक मुद्रा पर विवाद: कारीगर मॉडलिंग करती युवती को हाथों में उठाए हुए श्री गणेश की प्रतिमा बना रहे थे। यह बात बजरंग दल कार्यकर्ताओं को पता चली, तो कार्यकर्ताओं के साथ बजरंग दल विभाग संयोजक प्रवीण दरेकर मूर्तिकार के कारखाना पहुंच

गए।कार्यकर्ता वहां बनाई जा रही गणेश प्रतिमाओं को देखकर इतने नाराज हुए और कारीगरों का मुंह काला कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में पुलिस बल तैनात किया गया है।

धार्मिक भावनाएं भड़काने की लिखित शिकायत: कारीगरों को लेकर थाने पहुंचे कार्यकर्ताओं की एएसआई सुरेंद्र सिंह से बहस हो गई। इसके बाद टीआई को सूचना दी गई। बजरंग दल के संयोजक लक्की रघुवंशी ने मूर्तिकार चंद्रनाथ पाल, रतनलाल पाल, राजू पाल के खिलाफ मॉडर्न मूर्तियां बनाकर धार्मिक भावनाएं भड़काने की लिखित शिकायत की।

मजदूरों का वेरिफिकेशन नहीं करने का आरोप: बजरंग दल के संयोजक लक्की रघुवंशी ने बताया कि इससे पहले भी इन कलाकारों ने देवी प्रतिमा को बुर्का पहनाकर धार्मिक भावनाओं को आहत किया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शहर में 50 से ज्यादा मजदूर कारीगरों के साथ काम कर रहे हैं, जिनका पुलिस वेरिफिकेशन नहीं हुआ है। इस घटना के बाद पुलिस कारीगरों और मजदूरों के दस्तावेज चेक कर रही है।

पुलिस ने मूर्तिकारों को सावधानी बरतने को कहा: खजराना टीआई मनोज सेंधव का कहना है कि मूर्तिकारों की मीटिंग ली है। उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि मूर्ति के निर्माण के समय इस बात का ध्यान रखा जाए किसी की धार्मिक भावना आहत न हो। सामाजिक व्यवस्था न बिगड़े। सभी कारीगरों को लेकर रजिस्टर मेंटेन किया है, जिसमें नाम, पता और आधार कार्ड की जानकारी ली गई है।

पिछले साल बुर्के जैसी ड्रेस पर हंगामा हुआ था: खजराना इलाके में पिछली नवरात्र में मूर्तिकारों ने माता की प्रतिमा को बुर्का जैसी ड्रेस पहना दी थी। इस पर भी बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने थाने पहुंचकर मूर्ति बनाने और बनवाने वालों पर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने मूर्ति बनवाने वाल लक्की चौहान को बुलाकर पूछताछ की थी। वहीं एक मूर्तिकार पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का प्रकरण दर्ज किया था। मूर्तिकार को थाने में लाकर पूछताछ की गई। हालांकि पुलिस को जांच में बुर्के जैसी बात नहीं मिली थी।

एमपी की सबसे बड़ी कांवड़ यात्रा शुरू

1 लाख से ज्यादा श्रद्धालु शामिल होने का दावा,स्कूलों की छुट्टी; कैलाशधाम में होंगी संपन्न

जबलपुर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी संस्कार कांवड़ यात्रा आज (सोमवार) सुबह 6 बजे नर्मदा तट स्थित गौरी घाट से शुरू हुई। करीब 35 किलोमीटर की यह यात्रा खमरिया स्थित कैलाशधाम मंदिर में पहुंचकर दोपहर को संपन्न होगी। आयोजकों के मुताबिक इस बार यात्रा में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर पुलिस और प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर रखी हैं।

स्कूलों में छुट्टी, रूट डायवर्ट: यात्रा के दौरान शहर के कई मार्गों को डायवर्ट किया गया है। भारी भीड़ को देखते हुए कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना ने जबलपुर शहर के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में छुट्टी घोषित की है। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि आदेश का कड़ाई से पालन हो।

तेज आवाज वाले डीजे पर बैन: श्रद्धालुओं की संख्या और सुरक्षा के मद्देनजर

तेज आवाज वाले डीजे पर प्रतिबंध लगाया गया है। यात्रा में किसी भी झांकी, मंच या वाहन पर दो से अधिक साउंड बॉक्स की अनुमति नहीं होगी, और स्पीकर का आकार 12 इंच से ज्यादा नहीं होगा। ध्वनि की अधिकतम सीमा 50 डेसिबल तय की गई है, जबकि हॉर्न स्पीकर का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। कोई भी विवादित या भावनाएं आहत करने वाला गीत नहीं बजाया जाएगा।

15वां वर्ष, एक संकल्प-एक पौधा: संस्कार कांवड़ यात्रा का यह 15वां वर्ष है। हालांकि कोविड के दौरान दो साल यात्रा नहीं निकाली गई थी। इस यात्रा की खास बात है कि हर श्रद्धालु नर्मदा जल के साथ एक पौधा भी लेकर चलता है, जिसे कैलाशधाम की पहाड़ियों में रोपा जाता है। इसी प्रयास से आज कैलाशधाम की पहाड़ी हरियाली से भर चुकी है।

रूट और विशेषताएं: यात्रा गौरी घाट से शुरू होकर रेत नाका, रामपुर चौक, शंकराचार्य चौक, शास्त्री ब्रिज, तीन पत्ती, यातायात चौक, सुपर मार्केट, लार्डगंज, बड़ा फुहारा, सराफा बाजार, बेलबाग, घमापुर, कांचघर, गोकलपुर, रांझी होते हुए खमरिया स्थित कैलाशधाम पहुंचेगी।यह यात्रा सुबह शुरू होकर दोपहर करीब 3 बजे कैलाशधाम में पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करेगी। संस्कार कांवड़ यात्रा का नाम गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है। इसमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। इस बार यात्रा समर्थ सद्गुरु भैया जी सरकार और रामू दादा सहित संत जनों के सान्निध्य में निकाली जा रही है।

हर-हर महादेव, बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठे मंदिर

रुद्राभिषेक और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हो रही शिव जी की पूजा-अर्चना

अशोकनगर(एजेंसी)। श्रावण मास के दूसरे सोमवार को शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। सुबह से ही भक्त जल और दूध से भगवान शिव का अभिषेक करने पहुंचे। शिवालयों में हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से भक्तिमय माहौल बना हुआ है। राज राजेश्वर, हजारेश्वर शिव मंदिर और गौरी मंदिर पर विशेष भीड़ जुटी। श्रद्धालु यहां जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के छोटे-बड़े शिवालयों में भी श्रद्धालुओं की आस्था का प्रदर्शन देखा गया।

पुजारी मंत्रोच्चार के साथ पूजा पाठ कर रहे: मंदिरों में श्रद्धालु लंबी कतारों में अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। पूजा के दौरान शांति और अनुशासन बना हुआ है। स्थानीय पुजारी विशेष रुद्राभिषेक और मंत्रोच्चार के साथ पूजा पाठ कर रहे हैं। यह आयोजन देर शाम तक चलेगा।

आसमान साफ होने से श्रद्धालुओं की संख्या ज्यादा: श्रावण महीने के पहले सोमवार को बारिश के बावजूद श्रद्धालु पहुंचे थे। दूसरे सोमवार को आसमान साफ होने से श्रद्धालुओं की संख्या और भी ज्यादा है। दिनभर पूजा पाठ का सिलसिला जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

अब बिहार में अकादमी खोल रहे पठान बंधु

मधुबनी (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेट इरफान पठान और उनके भाई यूसुफ पठान प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को एक मंच देने के लिए बिहार के एक छोटे से शहर मधुबनी में क्रिकेट अकादमी खोलने जा रहे हैं। पठान भाइयों का लक्ष्य छोटे शहरों के बच्चों को भी बेहत कोचिंग की सुविधा देना है। इस अकादमी के लिए रजिस्ट्रेशन अभी से शुरु हो गया है। उम्मीद की जा रही है कि इस महीने के अंत तक या अगले महीने तक इसका उद्घाटन भी करा दिया जाएगा। पठान भाइयों ने पहले से ही देश के कई शहरों में अपनी अकामियां खोली हुई हैं। जिससे प्रतिभावान बच्चों को खेलने में कोई परेशानी न आये। इस कड़ी में दोनों भाइयों ने मिलकर मधुबनी में भी क्रिकेट अकादमी खोलने की ये योजना बनाई है। इसमें नामांकन को लेकर संख्या अभी स्पष्ट नहीं है पर रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। इसी के तहत ही मैदान तैयार करने के साथ ही जगह-जगह पर नेट्स लगाए गए हैं। दोनो क्रिकेटर भी अकादमी की तैयारियों को देखने बीच-बीच में दौरा करते रहे हैं। उम्मीद है कि ये अकादमी जुलाई के अंत तक शुरू कर दिया जाएगा। ऐसे में उम्मीद यह भी की जा रही है कि अब छोटे शहर के बच्चों को भी जल्द ही विश्वस्तरीय ट्रेनिंग और सुविधाएं मिल जाएंगी।

रुपया 20 पैसे टूटकर 86.36 डॉलर पर खुला

मुंबई (एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 20 पैसे टूटकर 86.36 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये में गिरावट जारी रही और वह नकारात्मक रुख के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.27 पर खुला। बाद में 86.36 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 20 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.16 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.46 पर आ गया।

एसबीआई की यूपीआई सेवा 22 जुलाई को 45 मिनट रहेगी बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) सेवा 22 जुलाई 2025 को रात 12:15 बजे से लेकर रात 1:00 बजे तक यानी कुल 45 मिनट के लिए अस्थायी रूप से बंद रहेगी। बैंक ने बताया कि यह रुकावट एक शेड्यूल्ड मेंटेनेंस एक्टिविटी के चलते होगी ताकि सिस्टम को बेहतर बनाया जा सके। इस दौरान ग्राहक की सामान्य यूपीआई सर्विस का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। हालांकि, एसबीआई ने यह भी कहा है कि यूपीआई लाइट सर्विस इस दौरान चालू रहेगी। बैंक ने ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए खेद भी जताया है।

टीम इंडिया से बाहर होने के बाद भी करोड़ों कमा रहे ईशान किशन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कुछ ही समय में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनायी है। उनके नाम एकदिवसीय में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का विश्व रिकार्ड है। घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण उन्हें अनुशासनहीनता के कारण पिछले दो साल से भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है पर इसके बाद भी उनकी कमाई पर कोई अधिक प्रभाव नहीं पड़ा है। बीसीसीआई ने हालांकि इस बार उन्हें सी वर्ग का करार दिया है। जिससे सालाना एक करोड़ रुपये की राशि मिलेगी। माना जा रहा है कि उनकी भविष्य में टीम में वापसी हो सकती है। ईशान की कमाई क्रिकेट के अलावा बड़ी कंपनियों के विज्ञापन से होती है। इसके अलावा आईपीएल से भी उनको करोडों की रकम मिलती है। वह काउंटी से भी कमाई करते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ईशान की नेटवर्थ तकरीबन 60 करोड़ रुपये है। 2025 की आईपीएल मेगा ऑक्शन में ईशान किशन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 11.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। वहीं साल 2022 से 2024 तक उन्हें मुंबई इंडियंस से आईपीएल में वेतन के तौर पर 15.25 करोड़ रुपये मिले हैं। ईशान क्रिकेट के अलावा विज्ञापनों से भी अच्छी-खासी कमाई करते हैं। उनका कई बड़े भारतीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के साथ अनुबंध है। ईशान अपनी लग्जरी लाइफ स्टाइल के लिए जाने जाते हैं। उनके पास कई लग्ज़री घड़ियां भी हैं। इस क्रिकेटर के पास रोलेक्स डे-डेट की 23 लाख की घड़ी है जबकि एक जेनिथ डेफी स्काईलाइन घड़ी है जिसकी कीमत 20 लाख है। उनके पास बीएमडब्ल्यू 5 सीरीज, फोर्ड मस्टैंग और एक मर्सिडीज-बेंज सी-क्लास सहित कई आलीशान कारें भी हैं। ईशान को 2024-25 सीज़न के लिए बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध 'ग्रेड सी' में शामिल किया गया। जिसके तहत उन्हें सालाना 1 करोड़ रुपये वेतन मिलेगा। ईशान का सालाना वेतन 16 करोड़ के आसपास है। इस प्रकार वह हर दिन लगभग साढ़े 4 लाख कमाते हैं। वह ब्लिट्जपूल्स, सीएट, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, ओप्पो इंडियन, एसजी स्पोर्ट्स मान्यवर और नोइज जैसे बड़े ब्रांड के विज्ञापन करते हैं। वह अलग-अलग ब्रांड से अलग-अलग साल के फीस चार्ज करते हैं। यह लगभग 1.50 से 2 करोड़ रुपये के बीच है. ईशान का पटना के राजेंद्र नगर में एक आलीशान घर है। इसके अलावा मुंबई के मलाड में उनके पास करोड़ों का एक खूबसूरत अपार्टमेंट है। जिसमें कई वीआईपी सुविधाएं हैं। इसके अलावा ईशान ने अलग-अलग प्रॉपर्टी में भी निवेश किया है। ईशान ने भारत की ओर से अब तक 2 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उनके नाम 98 रन हैं। वहीं एक अर्धशतक शामिल है। एकदिवसीय में उनके नाम 27 मैचों में 933 रन हैं जिसमें एक दोहरा शतक और सात अर्धशतक हैं। वहीं टी20 में उनके नाम 32 मैचों में 796 रन हैं।

बीसीसीआई ने कंबोज को भारतीय दल में शामिल किया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड दौरे में भारतीय खिलाड़ियों के चोटिल होने के सिलसिले को देखते हुए तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को कवर के तौर पर शामिल किया है। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले उपकप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल हैं जबकि आकाशदीप की कमर में दर्द है। वहीं अर्शदीप सिंह की अंगुली में चोट लगी है। चोटिल खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या से परेशान होकर ही बीसीसीआई चयनसमिति ने भारतीय दल में कंबोज को शामिल करने का फैसला किया। कंबोज को अर्शदीप के चोटिल होने के बाद कवर के तौर पर शामिल किया गया है। बीसीसीआई के अनुसार, अर्शदीप के हाथ में टांके लगे हैं। ऐसे में उन्हें पूरी तरह से फिट होने में कम से कम दस दिन लगेंगे। इसी को देखते हुए ही चयनकर्ताओं ने कंबोज को टीम से जोड़ा है। कंबोज पिछले महीने भारत ए टीम में शामिल थे, ऐसे में उन्होंने वहां दो तीन दिवसीय मैच खेले थे जिस कारण उन्हें हालातों का अंदाजा है। उन्होंने भारत ए की ओर से अच्छी गेंदबाजी करते हुए अपने दोनों मैचों में पांच विकेट लिए थे। इस तेज गेंदबाज ने अपनी गति और कसी हुई लाइन से सभी को प्रभावित किया था। कंबोज ने फर्स्ट क्लास करियर में अब तक हरियाणा के लिए अभी तक 24 मैचों में 79 विकेट लिए हैं। ऐसे में अगर आकाशदीप मैच से पहले पूरी तरह फिट हो पाते हैं या नहीं। तो प्रसिद्ध कृष्णा या फिर कंबोज में से किसी को अवसर मिल सकता है।

सचिन के साथ अपना नाम देखकर सम्मानित अनुभव कर रहा - एंडरसन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा है कि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के साथ ट्रॉफी पर अपना नाम देखकर उन्हें एक अलग ही अहसास हो रहा है। इससे वह सम्मानित अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व के सार्वकालिक महानतम क्रिकेटरों में से एक के साथ अपना नाम देखकर उन्हें गर्व का अनुभव भी हो रहा है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इस सीरीज के शुरु होने से पहले इसका नाम पटौदी सीरीज से बदलकर एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी रख दिया था हालांकि इस पर कुछ क्रिकेटरों ने आपत्ति भी जतायी थी और कहा था कि नाम बदलना सही नहीं है। इसके अलावा से भी कहा गया था इसमें सचिन का नाम पहले रखा जाना चाहिये थे पर ईसीबी ने एंडरसन का नाम पहले कर दिया। पटौदी ट्रॉफी भारत के पूर्व क्रिकेटर इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर अली खान पटौदी के नाम पर थी। एंडरसन ने कहा, 'यह जरूरी नहीं कि आपके नाम पर ट्रॉफी का होना कितना बड़ा है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि आपके नाम के साथ सचिन तेंदुलकर का नाम जुड़ाहै, जो मेरे लिए अब तक के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक हैं। उन्होंने कहा, 'मैं ट्रॉफी पर अपने साथ उनका नाम देखता हूं तो मुझे अजीब सा लगता है क्योंकि मैं उनका काफी सम्मान करता हूं। मैने बचपन से उन्हें देखा है और उनके खिलाफ खेला है। वह इतने महान क्रिकेटर रहे हैं जिन्होंने अपनी टीम और पूरे देश की उम्मीदों का बोझ अपने पूरे कैरियर में उठाया है। उनके साथ इस तरह से ट्रॉफी साझा करना बहुत बड़ी बात है। गौरतब है कि अपने करियर में तेंदुलकर ने 200 जबकि एंडरसन ने 188 टेस्ट खेले हैं। पिछले साल क्रिकेट को अलविदा कहने वाले एंडरसन ने 704 विकेट लिए हैं।

शमी अगले सत्र में बंगाल से खेलकर प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। फिट नहीं होने के कारण भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब अगले सत्र में पश्चिम बंगाल टीम से खेल सकते हैं। शमी को इस सत्र के 50 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया है। वह 28 अगस्त से शुरु होने वाली दलीप ट्रॉफी में भी पूर्व जोन की ओर से खेल सकते हैं। इससे शमी की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी होगी। उन्होंने टखने की सर्जरी के बाद भारतीय टीम के अंतिम बार 2025 की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। चैंपियंस ट्रॉफी में शमी का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा ओर उन्होंने पांच मैचों में नौ विकेट लिए थे। इसके बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शमी की नई टीम सनराइजर्स हैदराबाद छठे स्थान पर रही थी। इसमें भी उनका प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा। उन्होंने नौ मैचों में केवल छह विकेट लिए और उनकी इकॉनमी 11.23 रन प्रति ओवर रही। वह टखने की सर्जरी कराई और घुटनों की समस्याओं से भी परेशान रहे। उन्होंने जनवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज में वापसी की थी। उससे पहले उनहोंने भारतीय टीम के अंतिम बार नवंबर 2023 में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में खेला था। उनकी घरेलू क्रिकेट में वापसी साल 2024 के अंत में बंगाल के साथ हुई थी। बंगाल के संभावित खिलाड़ियों की सूची में अभिमन्यु ईश्वरन, आकाश दीप, मुकेश कुमार, शाहबाज अहमद और अभिषेक पोरेल के नाम भी शामिल है।

सोना 186 रुपए महंगा होकर 98,000 के पार, चांदी 1.13 लाख के ऊपर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में सोमवार को तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। इस समय घरेलू बाजार में सोने के भाव 98,100 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,13,100 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार सोने-चांदी के वायदा भाव सुस्त शुरुआत के बाद तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 186 रुपये की तेजी के साथ 98,210 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 98,024 रुपये था। इस समय यह 111 रुपये की तेजी के साथ 98,135 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 98,213 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 98,091 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,01078 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 121 रुपये की तेजी के साथ 1,13,071 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,12,950 रुपये था। इस समय यह 141 रुपये की तेजी के साथ 1,13,091 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,13,160 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,13,000 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,15,136 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। हालांकि बाद में इनके भाव सुधर गए। कॉमेक्स पर सोना 3,355.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,358.30 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 4.90 डॉलर की तेजी के साथ 3,363.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 38.42 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 38.46 डॉलर था। इस समय यह 0.11 डॉलर की तेजी के साथ 38.57 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

मैनचैस्टर में अपने 9000 रन पूरे कर सकते हैं राहुल

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय टीम के बल्लेबाज के एल राहुल इंग्लैंड के खिलाफ 23 जुलाई से मैनचेस्टर में होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। राहुल इस मैच में अपने 9,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर सकते हैं। उन्हें इसके लिए केवल 60 रनों की जरुरत है। अपने अब तक के अंतरराष्ट्रीय करियर में राहुल ने 218 मैचों की 254 पारियों में 39.73 की औसत से 19 शतकों और 58 अर्द्धशतकों के साथ 8,940 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रन रहा है। वे सर्वकालिक सूची में भारत के लिए 16वें सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। अपनी शानदार तकनीक और बल्लेबाजी के बाद भी वह टेस्ट क्रिकेट में अधिक सफल नहीं रहे हैं। उन्होंने 61 मैचों और 107 पारियों में 35.26 की औसत से 3,632 रन बनाए हैं, जिसमें 10 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रहा है। उनके प्रदर्शन में हालांकि निरंतरता की कमी की बात की जाती रही है। इससे उनका बल्लेबाजी औसत भी उतना आगे नहीं आया जितना कि आना चाहिये। राहुल ने भी अपने बल्लेबाजी औसत को देखकर उन्हें निराशा होती है। । टेस्ट की जगह वह एकदिवसीय मैचों में कहीं अधिक सफल रहे हैं, जहां उन्होंने 85 मैचों और 79 पारियों में 49.08 की औसत और 88.17 की स्ट्राइक रेट से 3,043 रन बनाए हैं, जिसमें 7 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं। वहीं टी20 में वह चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। राहुल ने 72 मैचों और 68 पारियों में 37.75 की औसत और लगभग 140 के स्ट्राइक रेट से 2,265 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और 22 अर्द्धशतक शामिल हैं। इस सीरीज में अबतक इस बल्लेबाज ने तीन मैचों और छह पारियों में 62.50 की औसत से 375 रन बनाए हैं, जिसमें 137 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर, दो शतक और एक अर्द्धशतक शामिल है। वह सीरीज में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों की 24 पारियों में उन्होंने 41.20 की औसत से 989 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन है।अपने फॉर्म में उतार-चढ़ाव के बाद भी वह एशिया के बाहर वह काफी सफल रहे हैं, उनके दस में से नौ टेस्ट शतक विदेशी धरती पर हैं। सबसे अहम बात यह है कि उन्होंने 7 टेस्ट शतक दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों के खिलाफ लगाये हैं। अब दो मैच शेष रहते हुए उनके पास इस सीरीज में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर है।

अगले माह होने वाले एशिया कप से पहले सुधार करें हॉकी टीम - श्रीजेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान पीआर श्रीजेश ने कहा है कि अगस्त में होने वाले एशिया कप के लिए टीम को काफी सुधार करना होगा। श्रीजेश के अनुसार एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है और इससे टीम की आंखे खुल जानी चाहिये। इस स्टार खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया, हमने कई मौके बनाए, हमने मैदान पर कड़ी टक्कर दी पर अवसरों का लाभ नहीं उठाने से परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहा। यह परिणाम हमें एशिया कप और अगले साल होने वाले विश्वकप और एशियाई खेलों जैसे अन्य महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले सुधार की जरुरत पर बल देने के संकेत दे रहा है। भारतीय टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में लगातार सात हार के बाद अंक तालिका में आठवें स्थान पर रही थी। एशिया कप 2025 बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से सात सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। हॉकी विश्वकप 2026 बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में 14 से 30 अगस्त तक खेला जायेगा। वहीं एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्टूबर, 2026 तक खेले जाएंगे। पुरुष राष्ट्रीय अंडर-21 टीम के मुख्य कोच ने कहा कि एक कोच के रूप में उनका मुख्य काम यह तय करना है कि खिलाड़ी दबाव का सामना करना सीखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा, 'एक कोच के रूप में मेरा काम खिलाड़ियों पर से दबाव कम करना है। मैं उन्हें बताता हूँ कि जूनियर विश्वकप के दौरान लगभग 10 हजार दर्शक मैदान में रहेंगे जिनकी उम्मीदें आप पर रहेंगी और इससे स्वीकार करना होगा। एक कोच होने के कारण मेरे लिए खिलाड़ियों के साथ अपने खेल के अनुभव को साझा करना सबसे महत्वपूर्ण है।

अमेजन वेब सर्विसेज ने फिर की कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेजन एक बार फिर कर्मचारियों की छंटनी को लेकर चर्चा में है। इस बार अमेजन की क्लाउड यूनिट अमेजन वेब सर्विसेज ने सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। बताया जा रहा है कि यह छंटनी सिर्फ शुरुआत है और साल के अंत तक इसमें और तेजी आ सकती है। एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर कहना है कि एडब्ल्यूएस में कुल कर्मचारियों की संख्या का करीब 10 फीसदी हिस्सा और प्रिंसिपल-लेवल की 25 फीसदी नौकरियां इस छंटनी की चपेट में आ सकती हैं। अमेजन यह कदम लागत कम करने, संगठनात्मक ढांचे को सरल बनाने और प्रदर्शन में सुधार के उद्देश्य से उठा रही है। इसके लिए कंपनी परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट प्लान और रिडक्शन इन फोर्स जैसे उपायों को लागू कर रही है। बताया जा रहा है कि एडब्ल्यूएस के अंदर ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन सहित कई यूनिट्स के कर्मचारी छंटनी की चपेट में आए हैं। इस बार सीनियर लेवल के प्रिंसिपल भी निशाने पर हैं। यह वे पद होते हैं, जिन पर सबसे ज्यादा वेतन और सुविधाएं दी जाती हैं। अब इन्हें भी बचाया नहीं जा रहा है। छंटनी का एक बड़ा कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भी है। अमेजन के सीईओ ने हाल ही में कहा था कि एआई के आने से कुछ कामों के लिए अब कम लोगों की जरूरत है, और कुछ नए कामों के लिए नए तरह के लोगों की जरूरत होगी।

लारा की महान और महानतम खिलाड़ियों की सूची में रोहित और बुमराह को मिली जगह

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने सर्वकालिक महानतम खिलाड़ियों की सूची में सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली को शामिल न करते हुए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बल्लेबाज रोहित शर्मा को शामिल किया है। लारा ने बुमराह को महानतम गेंदबाज बताया जबकि रोहित को महान बल्लेबाज करार दिया। महानतम खिलाड़ियों की सूची में लारा ने चार जबकि महान खिलाड़ियों की सूची में 5 खिलाड़ियों को शामिल किया है। लारा ने अपने सर्वकालिक महानतम खिलाड़ियों में बुमराह के साथ ग्लेन मैक्ग्रा, जैक्स कैलिस और एडम गिलक्रिस्ट को शामिल किया है जबकि महान खिलाड़ियों में रोहित के अलावा क्रिस गेल, शाहीन शाह अफरीदी, केविन पीटरसन और केन विलियमसन जैसे खिलाड़ी शामि है।

लारा के महानतम खिलाड़ी- बुमराह ने अपने करियर में अभी तक खेले 206 मैचों में 20.47 की औसत से 455 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 6/19 का रहा है, और

सचिन और विराट शामिल नहीं

उन्होंने सभी फॉर्मेट में 17 बार पारी में 5 विकेट हॉल लिए हैं। टेस्ट क्रिकेट में, उन्होंने 47 मैचों में 19.48 की औसत से 217 विकेट लेकर विशेष रूप से प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। ग्लेन मैकग्राथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में 21.76 की औसत से 949 विकेट लेकर पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वह 563 विकेटों के साथ ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल टेस्ट तेज गेंदबाज हैं और उन्होंने तीन वर्ल्ड कप जीते हैं, जिसमें 71 विकेटों के साथ सर्वाधिक वर्ल्ड कप विकेट लेने का रिकॉर्ड उनके नाम है। जैक कैलिस की हरफनमौला क्षमताओं ने उन्हें दोनों प्रारूपों में 10,000 से ज़्यादा रन और 500 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट दिलाए हैं। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 49.10 की औसत से 25,534 रन बनाए हैं, जिसमें 62 शतक शामिल हैं। उनके गेंदबाजी रिकॉर्ड में 577 अंतरराष्ट्रीय विकेट शामिल हैं, जिनमें 6/54 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन शामिल है। एडम गिलक्रिस्ट ने विकेटकीपर-बल्लेबाजी में एक नया आयाम स्थापित किया है और 396 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 38.94 की औसत से 15,461 रन बनाए हैं, जिसमें 33 शतक शामिल हैं। उनका टेस्ट रिकॉर्ड खास तौर पर प्रभावशाली है, जिसमें 47.60 की औसत और 81.95 की स्ट्राइक रेट से 5,570 रन शामिल हैं। उन्होंने सभी फॉर्मेट में कुल 905 शिकार किए जो सबसे ज्यादा शिकार करने वाले विकेटकीपरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। लारा ने अपनी लीजेंड श्रेणी में कई खिलाड़ियों को भी शामिल किया, जिनमें रोहित के अलावा क्रिस गेल, शाहीन शाह अफरीदी, केविन पीटरसन और केन विलियमसन जैसे खिलाड़ी शामि है।

लारा के महान खिलाड़ी- रोहित ने 499 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 42.18 की औसत से 19,700 रन बनाए हैं। उनके नाम सीमित ओवरों के क्रिकेट में कई रिकॉर्ड हैं, जिनमें सबसे ज्यादा विश्व कप शतक और सबसे ज्यादा टी20 शतक शामिल हैं। वह एकदिवसीय में सबसे अधिक 3 दोहरे शतक जड़ने वाले भी बल्लेबाज हैं। क्रिस गेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 19,538 रन बनाकर बनाये हैंदी। उनके नाम सबसे ज्यादा टी20 रन (14,562) और सबसे ज्यादा छक्के (1,056) लगाने का रिकॉर्ड है। शाहीन अफरीदी, सिर्फ 25 साल की उम्र में 174 मैचों में 345 विकेट ले चुके हैं और पाकिस्तान के 12वें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने 48.56 की औसत से 19,086 अंतरराष्ट्रीय रन बनाए हैं। उनके टेस्ट रिकॉर्ड में 54.88 की औसत से 33 शतकों सहित 9,276 रन दर्ज हैं। इंग्लैंड के केविन पीटरसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 44.30 की औसत से 13,779 रन बनाए हैं।

सावन महीने के दूसरे सोमवार सुबह साढ़े 4 बजे भगवान शिव का श्रृंगार किया गया

गैविनाथ धाम में सुबह साढ़े 4 बजे हुई भस्म आरती, वीआईपी एंट्री पर रोक

मंदिर के गर्भगृह के पट भक्तों के दर्शन के लिए खोल दिए गए

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के गैविनाथ धाम में सावन महीने के दूसरे सोमवार सुबह साढ़े 4 बजे भगवान शिव का श्रृंगार किया गया। इसके बाद भस्म आरती संपन्न हुई। इस दौरान रात से ही भक्तों की भीड़ देखी गई।

मंदिर के गर्भगृह के पट भक्तों के दर्शन के लिए खोल दिए गए। एकादशी तिथि होने के कारण शिवालय में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। भक्त हर - हर महादेव के जयकारों के साथ जलधारी से शिवलिंग का जलाभिषेक कर रहे हैं।

प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। किसी को असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। स्थानीय प्रशासन ने वीआईपी दर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। भीड़ नियंत्रण के लिए गर्भगृह में प्रवेश पर रोक है।

तहसीलदार और पुलिस के जवान मंदिर परिसर में तैनात हैं। व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी निगरानी की जा रही है। शिव के गैविनाथ स्वरूप के दर्शन के बाद महिलाएं तालाब के पार स्थित माता पार्वती के मंदिर में पूजा-अर्चना कर रही हैं।

मैहर में बेंगलुरु से आजमगढ़ जा रहा टमाटर लदा ट्रक पलटा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर में सोमवार सुबह करीब 5 बजे एक टमाटर से भरा ट्रक पलट गया। यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर हुआ। ट्रक बेंगलुरु से उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जा रहा था।

हादसे का कारण चालक को आई झपकी बताया जा रहा है। इससे ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि सड़क पर भारी मात्रा में टमाटर बिखर गए। स्थानीय लोगों ने सड़क पर फैले टमाटरों को खाली कैरेट में भरकर व्यवस्था बनाने में मदद की।

मैहर थाना पुलिस को सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्रक को सड़क से हटवाया। साथ ही मर्ग कायम कर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक 26 जुलाई को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सांसद गणेश सिंह की अध्यक्षता में 26 जुलाई 2025 को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मे आयोजित की गई है। सीईओ जिला पंचायत संजना जैन ने संबंधित विभाग प्रमुख अधिकारियो को बैठक मे उपस्थित रहने के निर्देश दिये है। दिशा की बैठक में पूर्व बैठक की कार्यवाही का पालन प्रतिवेदन, स्मार्ट सिटी सतना के निर्माण कार्य, जो निर्माण कार्य अभी चल रहे है उनकी आद्तन स्थिति, कार्यों की गुणवत्ता की प्राप्त शिकायतों के निराकरण, सायकल टैउक्र के निर्माण कार्य की उपयोगिता, जो निर्माण कार्य कराये गये है उसकी गाइड लाइन, एनएचएआई मैहर से सतना-चित्रकूट के निर्माण कार्यों, एनएचपीडब्ल्यूडी केन्द्र सरकार की वित्तीय सहायता से सडक निर्माण बेला से सतना, नागौद से जसो सलेहा निर्माण कार्यों, बमीठा से सतना राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण संबंधी स्वीकृत, एमपीआरडीसी (शहडोल) सतना, तिघरा से उचेहरा, मैहर सरला नगर, बरही, उमरिया रोड के निर्माण कार्य, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजनाओं के पात्र हितग्राहियों की योजनावार संख्या की जानकारी, सतना में चल रहे रेलवे निर्माण कार्यों, सतना हवाई अड्डे के विस्तार के संबंध में अब तक की प्रगति, बरगी बांध से दांयीतट पर नहर तथा जल जीवन मिशन द्वारा निर्माणाधीन हर घर नल से जल योजना की समीक्षा की जायेगी।

मंडी में 1.80 क्विंटल गेहूं चोरी, नाराज व्यापारियों ने नीलामी को रोकते हुए जमकर किया हंगामा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना की कृषि उपज मंडी में नीलामी चबूतरों से अनाज चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। सोमवार को एक बार फिर चबूतरा नंबर-5 से व्यापारी तरुण अग्रवाल की गेहूं की तीन बोरियां (करीब 180 किलो) चोरी हो गईं।

लगातार हो रही इन घटनाओं से नाराज व्यापारियों ने डाक नीलामी को रोकते हुए जमकर हंगामा किया और मंडी प्रबंधन से सख्त कार्रवाई की मांग की।

तरुण इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर तरुण अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने रविवार शाम तक एक गाड़ी अनाज लोड करवाकर रवाना किया था और शेष गेहूं की 25 बोरियों को गिनकर घर चले गए। सोमवार सुबह जब वह दोबारा मंडी पहुंचे तो 3 बोरी गेहूं गायब थीं।

घटना की जानकारी के बाद व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल मंडी सचिव करुणेश तिवारी से मिलने पहुंचा। शुरुआत में सचिव ने साफ शब्दों में कहा व्यापारी अपने माल की सुरक्षा खुद करें, मंडी या गार्ड जिम्मेदार नहीं है।

सचिव के इस बयान से आक्रोशित व्यापारी और भड़क गए। इसी दौरान आरबी एसोसिएट्स (सुरक्षा फर्म) के सुपरवाइजर भी मौके पर पहुंचे और चोरी के लिए व्यापारियों को ही जिम्मेदार ठहराने लगे। मामला बढ़ता देख मंडी सचिव को अपने बयान से पलटना पड़ा और उन्होंने सुरक्षा और कार्रवाई का आश्वासन दिया।

व्यापारियों ने कहा कि यह कोई पहली घटना नहीं है। हर बार चोरी होती है, रिपोर्ट होती है, पर कार्रवाई शून्य। वारदातें मंडी परिसर में हो रही हैं, जहां सुरक्षा गार्ड तैनात हैं, फिर भी चोर बेखौफ हैं।

मैहर में खदान के गड्ढे में डूबी दो बहनों की मौत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर में बारिश के पानी से भरे खदान के गड्?ढे में डूबने से दो बहनों की मौत हो गई। दोनों नहाने के लिए उतरी थीं। हादसा सोमवार सुबह करीब 10.30 बजे नादन थाना क्षेत्र के ग्राम बठिया में हुआ। बच्चियों की पहचान पुष्पा कोल (10) और प्राची कोल (8) पिता पिंटू कोल के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक घटना बच्चियों के घर के पीछे खदान के गड्?ढे में बारिश का पानी भरा है। सुबह दोनों बहनें खेल-खेल में नहाने के लिए गड्?ढे में उतर गईं। इसी दौरान गहरे पानी में चली गईं। जब काफी देर तक नहीं लौटीं, तो परिजन ने तलाश शुरू की। पड़ोसियों से पूछताछ के बाद पता चला कि दोनों बच्चियां खदान की तरफ गई थीं। गड्?ढे के पास बच्चियों के कपड़े पड़े थे। इससे पानी में डूबने का शक हुआ।

लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद स्थानीय लोगों ने गड्?ढे में से आधे घंटे की मशक्कत के बाद बच्चियों के शव पानी से बाहर निकाले। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। नादन थाना प्रभारी केएस बंजारे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। दोनों के शव पोस्टमार्टम के लिए मैहर सिविल अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

31 जुलाई तक फसलों का बीमा करा सकते हैं किसान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफ वर्ष 2025 हेतु बीमा इकाई-1 (तहसील इकाई), बीमा इकाई-2 (पटवारी हल्का इकाई) एवं जिला स्तर पर बीमित की जाने वाली फसलों की अधिसूचना जारी की गई है। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मनोज कश्यप ने सतना एवं मैहर जिले के किसानों को एग्रीकल्चर इश्योरेंस कंपनी आफ इंडिया लिमिटेड भोपाल के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में फसल बीमा कराया जाना है। लेकिन ऋणी कृषकों को योजना से पृथक रहने के लिए बीमांकन की अंतिम तिथि से 7 दिवस पूर्व 24 जुलाई 2025 ओपीटी आउट का घोषणा-पत्र भर कर संबंधित बैंक शाखा को देना होगा। साथ ही इसकी जानकारी (एनसीआईपी पोर्टल) पर दर्ज करना अनिवार्य है। अन्यथा उनको योजना में सम्मिलित माना जावेगा और ऐसे किसानों को बीमा बैंकों द्वारा अनिवार्य रूप से किया जायेगा। अऋणी कृषकों का बीमा स्वैच्छिक आधार पर किया जायेगा। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने बताया कि कृषको को फसलों का बीमा करने हेतु बैंकों द्वारा प्रीमियम किये जाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। बैंकों द्वारा बीमित किसानों की भारत सरकार के फसल बीमा पोर्टल समय सीमा में प्रविष्टि किया जाना आवश्यक है। साथ ही यदि किसी कृषक द्वारा गत वर्ष बोई गई फसल में परिवर्तन किया गया है तो किसान द्वारा संबंधित बैंक से सम्पर्क कर बीमांकन की अंतिम तिथि के 2 दिन पूर्व यानि 29 जुलाई 2025 तक बोई गई वास्तविक फसल की जानकारी बैंकों को उपलब्ध कराये। बैंको द्वारा राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल पर बीमांकन एवं दिए गए इन्टरफेस चंल-ळ्वअ के माध्यम से प्रीमियम की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2025 है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा पोर्टल अनुसार खरीफ 2025 में 20 जुलाई 2025 की स्थिति में फसल बीमा की प्रगति गतवर्ष की अपेक्षा सतना जिले में मात्र 26.10 प्रतिशत एवं मैहर जिले में मात्र 27.70 प्रतिशत है जो कि अल्प है। जिले के समस्त बैंकों को प्रगति बढ़ाने हेतु निर्देशित करने का कष्ट करें ताकि समय-सीमा में समस्त पात्र कृषकों के फसल बीमा हो सकें।

राज्यमंत्री के स्व. दादाजी को दी गई श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने सोमवार को ग्राम हरदुआ पहुंचकर पूज्य दादाजी स्व. श्री जीवनदास बागरी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री रामखेलावन पटेल, रमाकांत गौतम, तारा पटेल, विजय पटेल, श्यामलाल गुप्ता, विजय तिवारी सहित जनप्रतिनिधि तथा स्थानीय जनों ने भी स्व. श्री जीवनदास बागरी के छायाचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किये।

मैहर नगर में सीवरेज परियोजना पर दी गई जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर नगर में संचालित सीवरेज परियोजना के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सरस्वती शिशु मंदिर एवं पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैहर में एक विशेष जानकारी सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दोनों विद्यालयों के लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को सीवरेज योजना, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। सत्र में छात्रों को बताया गया कि सीवरेज परियोजना गंदे पानी को वैज्ञानिक तरीके से एकत्र कर शुद्धिकरण संयंत्रों तक पहुंचाती है, जिससे जल का दोबारा उपयोग संभव हो पाता है।

सीवरेज कनेक्शन के लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई। जैसे खुले में गंदगी फैलने की रोकथाम, जलजनित रोगों से बचाव हेतु मलेरिया, डेंगू, हैजा आदि दुर्गंध से मुक्ति एवं स्वच्छ वातावरण की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि यदि प्रत्येक घर सीवरेज से जुड़ता है तो मैहर को एक स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर शहर बनाया जा सकता है।

ग्राम विकास समिति द्वारा आदर्श ग्राम जारौहा में नर्सरी की स्थापना

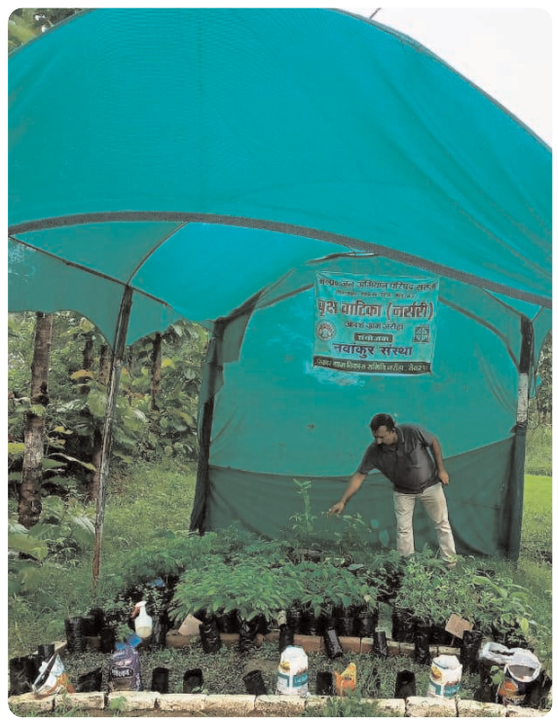

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। म.प्र. जन अभियान परिषद रामनगर विकासखंड की नवांकुर संस्था संस्कार ग्राम विकास समिति जरौहा द्वारा आदर्श ग्राम जारौहा में नर्सरी की स्थापना की गई है। जिसका संचालन संस्था के अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह के द्वारा किया जा रहा है। नवांकुर सखी हरियाली यात्रा कार्यक्रम की तैयारी हेतु नर्सरी में विभिन्न प्रजाति के 1200 पौधे तैयार किए गए है। जिन्हें 26 जुलाई को आयोजित कार्यक्रम में सखियों के माध्यम से घर-घर तक पहुंचाने की योजना बनाई गई है। हर घर पौधा, घर घर पौधा के उद्देश्यों को लेकर आदर्श ग्राम जरौहा पर्यावरण के क्षेत्र में आगे बढ़ाने में किया जा रहा है।

टीएल बैठक में सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने दिये निर्देश

शिकायतकर्ता से बात करें, संतुष्टिपूर्ण तरीके से करें निराकरण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सोमवार को समय-सीमा प्रकरणों की संपन्न बैठक में सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि राजस्व सहित सभी विभागों के संबंधित अधिकारी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण करते समय शिकायतकर्ता से बात करें तो संतुष्टिपूर्ण निराकरण का प्रतिशत बढेगा। उन्होंने राजस्व की 1400 से अधिक लंबित शिकायतों को तहसीलवार विभाजित कर हल्कावार पटवारियों को जिम्मेदारी देने के निर्देश दिये। इस मौके पर आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य, एसडीएम एपी द्विवेदी, जितेन्द्र वर्मा, अपर कलेक्टर सुधीर बेक, एसडीएम एलआर जांगडे, डिप्टी कलेक्टर बीके मिश्रा, सोमेश द्विवेदी सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कहा कि सोमवार को अपरान्ह तक ग्रेडिंग होने के पूर्व सभी एल वन और एल टू अधिकारी शिकायतकर्ताओं से बातचीत कर अधिक से अधिक शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराये। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग की 1400 से अधिक शिकायतें 50 दिवस से ऊपर की लंबित है। इन्हें तहसीलवार बांट कर पटवारियों को हल्कावार निराकरण की जिम्मेदारी दें। इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग की 496 शिकायतें 50 दिवस से ऊपर लंबित होने पर सीएमएचओ को निराकरण करने के निर्देश दिये दिये।

आपदा राहत, बाढ राहत के कार्यों की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में 13 प्रकरण आर.बी.सी. में आपदा मृत्यु के प्राप्त हुए है। आपदा राहत के प्रकरणों में राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधानों के अनुसार मिलने वाली राहत राशि भुगतान में विलंब नहीं होना चाहिए। कलेक्टर ने शेष जुलाई माह में हुई मृत्यु के प्रकरणों में अगले दो-तीन दिनों में राशि का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जून माह में ब्रम्हकुण्ड की घटना और 26 जून को उचेहरा में बिजली गिरने से हुई राजकुमारी कोल की मृत्यु पर राहत राशि अभी तक भुगतान नहीं होने पर कलेक्टर ने एसडीएम मझगवां और उचेहरा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। रेल्वे के अंर्तविभागीय विषयों पर चर्चा के दौरान कलेक्टर ने मूल अवार्ड में सतरी बगहाई की मुआवजा राशि का वितरण नहीं हो पाने पर रामपुर बघेलान के एसडीएम को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। हिट एण्ड रन के लंबित 61 प्रकरणों की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम व्यक्तिगत रूप से देखे और तहसीलदार से बातचीत कर आवश्यक अभिलेखों की पूर्ति कराये। गुरूवार को समक्ष में स्वीकृति के लिए फाइल लेकर आयेंगे और उसी समय स्वीकृतियां लेकर जायेंगे। कलेक्टर ने कहा कि प्रकरणों के शीघ्र निराकरण नहीं करने पर संबंधित पर कार्यवाही का प्रस्ताव भेजा जायेगा। कलेक्टर ने कहा कि 86 सीमांकन के प्रकरण समाधान के विषयों से संबंधित है। इनका निराकरण कराये। नगरीय निकायों को डेंगू मलेरिया से बचाव के लिए कीटनाशकों का छिडकाव और सिंगल यूज प्लास्टिक के विरूद्ध कार्यवाहियां तेज करने के निर्देश भी दिये।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।